श्रमसाधना

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmai.com | श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति | www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 52 ग्वालियर, मंगलवार 22 सितंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

कृषि विकास और किसान कल्याण पर केंद्रित होंगी प्रदर्शनियां, नवाचार करने वाले किसानों और युवाओं को मिलेगा सम्मान

समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश की थीम पर मनाया जाएगा स्थापना दिवस

भोपाल जीएनएस।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इस वर्ष मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' की थीम पर मनाया जाए। वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, इसलिए एक नवंबर को होने वाले स्थापना दिवस समारोह में कृषि विकास और किसान कल्याण को प्रमुखता दी जाए। उन्नत कृषि, प्राकृतिक खेती और कृषि क्षेत्र में नवाचार पर विशेष प्रदर्शनियां लगाई जाएं। कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले किसानों, उद्यमियों और युवाओं को सम्मानित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश सोमवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय आयोजन के साथ ही सभी जिलों में भी उत्साह और उल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। एक नवंबर की रात सभी शासकीय भवनों पर रोशनी की जाए। प्रदेश की प्रतिभाओं को कला, योग्यता और क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस प्रदेश का उत्सव है, इसलिए इसमें अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए।

लाल परेड ग्राउंड में होगा राज्य स्तरीय समारोह : बैठक में बताया गया कि 71वें मध्यप्रदेश

स्थापना समारोह का राज्य स्तरीय आयोजन लाल परेड ग्राउंड में होगा। यहां विकसित मध्यप्रदेश-2047, एक जिला-एक उत्पाद, प्रदेश के जननायक, पारंपरिक कलाओं, मंदिर स्थापत्य, भारत की ऋषि परंपरा, विरासत से विकास और कृषि क्षेत्र की उपलब्धियों पर प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। समारोह में देशज व्यंजनों का मेला भी आयोजित किया जाएगा।

एक नवंबर की शाम सुगम संगीत का भव्य कार्यक्रम होगा, जिसमें देश के प्रतिष्ठित कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। समारोह में आतिशबाजी भी की जाएगी।

जिलों की उपलब्धियां भी होंगी प्रदर्शित : स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ जिलों के उत्कृष्ट कार्यों और जिला उत्पादों की प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। जिला स्तरीय कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, उद्योगपतियों, व्यवसायियों, धर्मगुरुओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्वतंत्रता सेनानियों, लोकतंत्र सेनानियों, शहीद सैनिकों के परिजनों तथा उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले स्व-सहायता समूहों और नव उद्यमियों को विशेष रूप से आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में राज्य स्तरीय समारोह की बैठक व्यवस्था, यातायात और सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन, संजय कुमार शुक्ला, शिवशेखर शुक्ला, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित संस्कृति एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुरार में फूलमाला पहनाकर किया स्वागत

सिंधिया ने एलिवेटेड रोड का किया निरीक्षण, समर्थकों ने किया स्वागत

ग्वालियर जीएनएस।
केंद्रीय संचार मंत्री एवं ग्वालियर सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल के पीछे निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान सिंधिया समर्थकों ने फूलमाला पहनाकर एवं आतिशबाजी कर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर सिंधिया समर्थक मुकेश जैन और पूर्व वरिष्ठ पार्षद गुड्डू वारसी ने कहा कि सिंधिया के प्रयासों से ग्वालियर में विभिन्न विकास परियोजनाओं को गति मिली है। उन्होंने कहा कि चंबल से ग्वालियर को पानी उपलब्ध कराने वाली परियोजना से

शहर की पेयजल व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

समर्थकों ने कहा कि ग्वालियर में सड़क, पेयजल और अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी कई परियोजनाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि एलिवेटेड रोड जैसी परियोजनाओं से शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश जैन, पूर्व वरिष्ठ पार्षद गुड्डू वारसी, प्रियंका गर्ग सहित बड़ी संख्या में सिंधिया समर्थक मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने मनकामेश्वर मंदिर में की पूजा-अर्चना

सौंदर्यीकरण कार्य का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

भोपाल जीएनएस।
उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सोमवार को कोठी कंपाउंड स्थित प्राचीन मनकामेश्वर शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा करने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मनकामेश्वर शिव मंदिर रीवा शहर का प्राचीन धार्मिक स्थल है। मंदिर का जनसहयोग से जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पूर्व न्यायमूर्ति अखिल श्रीवास्तव बोले- व्यक्ति बनाओ, देश अपने आप बन जाएगा; गायत्री परिवार इसी दिशा में कर रहा कार्य

ऋषि चिंतन के विस्तार के साथ 10 दिवसीय विराट पुस्तक मेले का समापन

ग्वालियर जीएनएस।
गायत्री शक्तिपीठ द्वारा आयोजित 10 दिवसीय विराट पुस्तक मेले का भव्य समापन हुआ। समापन अवसर पर संत डॉ. अनिल बाजपेयी ने योगऋषि आचार्य श्रीराम शर्मा के युग परिवर्तन के संकल्प में साहित्य की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साहित्य के माध्यम से विचारों में परिवर्तन लाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

संत शीतल दास महाराज घाटीगांव ने कहा कि विराट पुस्तक मेले के माध्यम से आचार्य श्रीराम शर्मा की महान कृतियों को अंचल की जनता तक पहुंचाने का कार्य किया गया है। यह समाज विकास की दिशा में अनुकरणीय पहल है। संत अभय कात्यायन ने श्रेष्ठ साहित्य को मस्तिष्क का भोजन बताते हुए लोगों से अच्छे साहित्य के अध्ययन का आह्वान किया।

पूर्व न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय अखिल कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि डिजिटल युग में यदि विद्यार्थी सद्साहित्य खरीदकर पढ़ रहे हैं तो यह देश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अच्छा बनाइए, देश अपने आप अच्छा बन जाएगा। गायत्री परिवार इसी दिशा में कार्य कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति डॉ. प्रणव पंड्या स्कूली शिक्षा के दौरान ग्वालियर में उनके सहपाठी रहे हैं।

समापन अवसर पर अतिथियों ने सर्वप्रथम पुस्तक मेले का भ्रमण किया। इसके बाद देव मंच पर गायत्री माता, गुरुजी एवं माताजी का पूजन किया गया। संयोजक यशराजू भंसाली ने स्वागत किया। विचार क्रांति अभियान की जानकारी डॉ. संजय गुप्ता ने दी। आभार सहसंयोजक आरके चोपड़ा एवं भक्ति दर्शन बरोलिया ने व्यक्त किया। संचालन डॉ. श्रद्धा सक्सेना ने किया।

पुस्तक मेले में बाल निर्माण की कहानियां, महापुरुषों की जीवनियां, मैं कौन हूं, बुद्धि बढ़ाने की वैज्ञानिक विधि, अध्यात्म एवं विज्ञान, मरने के बाद क्या होता है, वेद, पुराण, उपनिषद, गायत्री महाविज्ञान, चेतना की शिखर यात्रा, हमारी वसीयत एवं विरासत, सुनसान के सहचर, गायत्री साधना क्यों और कैसे तथा स्वस्थ रहने के सूत्र सहित अनेक पुस्तकें लोगों के बीच लोकप्रिय रहीं। विवाह वर्षगांठ, बच्चों के जन्मदिन और सेवानिवृत्ति के अवसर पर उपहार देने के लिए तैयार किए गए तीन पुस्तक सेटों की भी विशेष मांग रही।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें अनंग पाल सिंह अनंग, राजकिशोर बाजपेयी, अभय जगमोहन श्रीवास्तव, कमलेश कमल एवं अनिल राही ने काव्य पाठ किया। कवियों ने पुस्तकों, साहित्य और भक्ति पर आधारित रचनाएं प्रस्तुत कीं।

संयोजक यशराजू भंसाली एवं सहसंयोजक आरके चोपड़ा ने आयोजन के सफल संचालन में सहयोग के लिए नगर निगम, बिजली विभाग, कला वीथिका एवं यातायात पुलिस का आभार जताया। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया, गायत्री परिजनों, गायत्री केंद्रों, भारत विकास परिषद वीर सावरकर शाखा तथा राष्ट्रीय योग संस्थान के सहयोग की सराहना की। आयोजकों के अनुसार 10 दिनों में करीब 12 लाख रुपए का सद्साहित्य स्कूलों, महाविद्यालयों और आमजन के घरों तक पहुंचा।

मेगा ड्राइव अभियान : पैरालीगल वालंटियर्स ने ग्राम लखनगवा में घर-घर जाकर दी 13 कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

शिवपुरी, जीएनएस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार चलाए जा रहे 60 दिवसीय मेगा ड्राइव अभियान के तहत रविवार को ग्राम लखनगवा में डोर-टू-डोर संपर्क अभियान आयोजित किया गया। यह कार्रवाई प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

60 ग्रामीणों से संपर्क कर 13 योजनाओं की दी गई जानकारी

चिह्नित ग्राम पंचायत हातौद के अंतर्गत आने वाले ग्राम लखनगवा में पैरालीगल वालंटियर श्री देवेंद्र कुशवाहा एवं श्री नीरू रावत द्वारा घर-घर जाकर लगभग 60 ग्रामीणों से सीधा संवाद किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को विधिक सेवा प्राधिकरण की मेगा ड्राइव के अंतर्गत चिह्नित 13 प्रमुख योजनाओं के साथ-साथ शासन द्वारा संचालित अन्य जन-कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

मौके पर ही तैयार कराए गए आवेदन, संबंधित विभागों को भेजे गए

जागरूकता अभियान के साथ-साथ ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु व्यावहारिक पहल भी की गई। संपर्क के दौरान जिन ग्रामीणों के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटियां थीं अथवा जिन्हें पात्रता पर्ची की आवश्यकता थी, उनके आवेदन मौके पर ही तैयार कराए गए। इन आवेदनों को त्वरित निराकरण हेतु संबंधित शासकीय विभागों में भिजवा दिया गया है, ताकि हितग्राहियों को योजनाओं का समय पर लाभ मिल सके।

विधिक साक्षरता और शासकीय योजनाओं के लाभ पर जोर

अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं वंचित वर्गों तक विधिक सहायता और शासकीय कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामीण अंचलों में निरंतर इस प्रकार की गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है, जिससे आमजन जागरूक होकर अपने अधिकारों और सरकारी सुविधाओं का पूरा लाभ उठा सकें।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर पांच हजार लोग करेंगे सामूहिक गायन

फिरोजाबाद, जीएनएस। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 25 सितंबर को देशभर में संपूर्ण वंदे मातरम् के सामूहिक गायन का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में श्री स्वामी बच्चू बाबा सरस्वती विद्या मंदिर, केशवपुरम, जलेसर रोड पर 'नमामि भारत-वंदे मातरम्' कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें करीब पांच हजार लोगों के शामिल होने की संभावना है।

कार्यक्रम सुबह 11 बजे 'एक स्वर, एक लय, एक ताल' की थीम पर आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, भारतीय संस्कृति, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध की भावना को मजबूत करना है। आयोजन के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट कर नई पीढ़ी को देश की सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा मुख्य अतिथि और विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवनीश भटनागर मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। आयोजन में नगर के गणमान्य नागरिकों, पूर्व छात्रों, प्रबंध समिति के सदस्यों, अभिभावकों और विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को आमंत्रित किया गया है।

कैंसर होस्पिटल कैम्पस पर विशेष श्राद्ध पक्ष में नियमित प्रातः नाश्ता, दोपहर एवं शाम को भोजन वितरण व्यवस्था

भारत विकास परिषद सहयोग शाखा ग्वालियर एवं माँ अन्नपूर्णा भोजन सेवा समिति द्वारा कैंसर होस्पिटल परिसर स्थित धर्मशाला में 30 वर्षों से लगभग 150 मरीजों/अटेंडरों के लिए (श्राद्ध पक्ष में विशेष) आप सभी के सहयोग से निशुल्क नियमित प्रातः 9.00 बजे दलिया/ खिचड़ी/पोहा,दोपहर 12.30 एवं शाम 6.00 बजे कच्चे/पक्के भोजन एवं मिठाई में खीर/ हलुआ/ मीठी बूंदी बराबर सेवा की जा रही है। श्राद्धपक्ष जोकि 26 सितम्बर शनिवार से 10 अक्टूबर 2026 शनिवार तक हैं, इस दरमियान आप अपने पारिवारिक सदस्यों के जनमदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, श्राद्ध पक्ष में या किसी भी अवसर पर सहभागी बन पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। व्यवस्था में सहयोग राशि--- प्रातः काल 9.30 बजे दलिया/खिचडी/पोहा 1000/- प्रतिदिन, (मात्र श्राद्ध पक्ष में दोपहर भोजन व्यवस्था शेष दिनों में शाम को कच्चे भोजन में (दाल/सब्जी चावल,रोटी) 2500/- प्रतिदिन, पक्के भोजन में (पुड़ी सब्जी पुलाव) 3000/- प्रतिदिन, मिठाई खीर/रवे का हलुआ/बूंदी के लिए 1000/- एक टाइम प्रतिदिन ,सहयोग राशि में इच्छानुसार भी देकर सहभागी बन सकते हैं।

सीएचसी टूंडला में दवाओं की उपलब्धता परखी

फिरोजाबाद। सेवा संकल्प अभियान के तहत सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम बदन राम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टूंडला में आयोजित चिकित्सकीय शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आकस्मिक चिकित्सा से संबंधित दवाओं की उपलब्धता की जांच की। साथ ही राज्य स्तर से जारी निर्देशों का पालन करने और पर्याप्त मात्रा में एआरवी व एएसवी उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने चिकित्सा अधीक्षक (एमओआईसी) को निर्देशित किया कि वह स्वयं क्षेत्र में भ्रमण कर शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। टीबी रोगियों की जांच कराकर उनका समुचित उपचार कराया जाए। वहीं, खोजी अभियान चलाकर कुष्ठ रोगियों को चिह्नित करने और उनका इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएमओ ने एनसीडी कार्यक्रम के तहत कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। गांव-गांव में शिविर लगाकर लोगों को जागरूक करने और मरीजों की जांच करने के निर्देश दिए।

शासकीय आईटीआई में प्रवेश के लिए अंतिम तिथि आज

शिवपुरी, जीएनएस। जिले के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ÷पहले आओ, पहले पाओ÷ प्रवेश राउंड पुनः प्रारंभ किया गया है। नोडल प्राचार्य श्री हेमंत दंडोतिया ने बताया कि यह प्रवेश प्रक्रिया 22 सितम्बर 2026 तक संचालित की जाएगी। शिवपुरी जिले की 06 शासकीय आईटीआई में कुल 1,372 सीटों में से 91 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश पूर्ण हो चुका है, जबकि 119 सीटें रिक्त हैं। शेष रिक्त सीटों पर प्रवेश का यह अंतिम अवसर है।

जिले की शासकीय आईटीआई में रिक्त 119 सीटों में शासकीय आईटीआई शिवपुरी में फैशन टेक्नोलॉजी में 45 एवं ट्रेवल एंड टूर असिस्टेंट में 8 सीटें, शासकीय आईटीआई कोलारस में वेल्डर में 20 एवं स्टेनो हिंदी में 8 सीटें, शासकीय आईटीआई पिछोर में स्टेनो हिंदी में 24 सीटें, शासकीय आईटीआई पोहरी में वेल्डर ट्रेड में 8 सीटें, शासकीय आईटीआई बदरवास में कोपा में 6 सीटें शामिल है।

प्रवेश हेतु आवेदन प्रक्रिया और दिशा-निर्देश

प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी 15 से 22 सितम्बर तक प्रवेश पोर्टल www.dsd.mp.gov.in पर नवीन रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। प्रत्येक अभ्यर्थी अपनी इच्छानुसार किसी एक आईटीआई के किसी एक ट्रेड का चयन कर सकेगा। शिवपुरी जिले की किसी भी शासकीय आईटीआई में उपलब्ध रिक्त सीट पर प्रवेश लेने हेतु अभ्यर्थी शासकीय आईटीआई शिवपुरी (झांसी रोड) पर उपस्थित होकर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए हेल्पडेस्क नंबर 9039975490, 7224943227, 8305889621 जारी किए गए हैं। प्राचार्य ने पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से अंतिम तिथि 22 सितम्बर 2026 से पूर्व प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है।

कहानी बदलाव की

संघर्ष से सम्मान तक : चिरौंजी लाल राठौड़ को नियमित पेंशन मिलने से दूर हुई आर्थिक निर्भरता

शिवपुरी, जीएनएस। जिले की ग्राम पंचायत गुगरीपुरा के निवासी श्री चिरौंजी लाल राठौड़ एक बेहद साधारण ग्रामीण परिवार से आते हैं। बढ़ती उम्र और शारीरिक कमजोरियों के कारण अब वे दैनिक मजदूरी या मेहनत-मजदूरी का कार्य करने में सक्षम नहीं रहे। आय का कोई स्थायी साधन न होने के कारण उन्हें अपनी छोटी-छोटी दैनिक आवश्यकताओं, व्यक्तिगत जरूरतों और बीमारियों की दवाइयों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। इस आर्थिक तंगी और बेबसी ने उनके जीवन में संघर्ष और अनिश्चितता ला दी थी।

ऐसे कठिन समय में शासन की ''इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना'' उनके जीवन में एक बड़ा सहारा बनकर आई। योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त होने के बाद पंचायत एवं सामाजिक न्याय विभाग के सहयोग से उनका आवेदन पंजीकृत किया गया और वे पेंशन योजना से जुड़ गए। इस शासकीय योजना के माध्यम से उन्हें प्रतिमाह नियमित रूप से आर्थिक सहायता (पेंशन राशि) मिलने लगी, जिसने उनके जीवन को एक नई दिशा और संबल प्रदान किया।

शासकीय पेंशन योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग श्री चिरौंजी लाल अपनी दवाइयां खरीदने, स्वास्थ्य संबंधी देखभाल और दैनिक जीवन की अनिवार्य जरूरतों को पूरा करने में कर रहे हैं। अब उन्हें अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए किसी अन्य के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता। इस नियमित वित्तीय सहयोग ने उनके जीवन में बड़ी राहत पहुँचाते हुए उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित किया है।

सामाजिक प्रभाव एवं स्वाभिमान

पेंशन योजना के लाभ ने न केवल चिरौंजी लाल को वित्तीय रूप से राहत पहुँचाई, बल्कि उनके सामाजिक जीवन और आत्म-सम्मान में भी भारी वृद्धि की है। श्री चिरौंजी लाल कहते हैं, ''अब छोटे-छोटे कामों और अपनी जरूरतों के लिए मुझे दूसरों के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता। इससे मेरा आत्मविश्वास पुनः लौटा है और ज़िंदगी में एक सुरक्षा व सम्मान का एहसास हुआ है।'' उनकी यह कहानी गाँव के अन्य वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी शासकीय योजनाओं के प्रति विश्वास जगाने वाली है।

प्रशासनिक संवेदनशीलता एवं आभार

जिला प्रशासन द्वारा वृद्धजनों के कल्याण हेतु सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के पात्र व्यक्तियों तक प्राथमिकता से पहुँचाया जा रहा है। श्री चिरौंजी लाल राठौड़ ने बुजुर्गों की देखभाल, आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के लिए चलाई जा रही इस कल्याणकारी योजना हेतु सरकार और जिला प्रशासन का सहृदय धन्यवाद व आभार व्यक्त किया है।

दतिया,जिगना एवं बड़ौनी थाना पुलिस की संयुक्त कार्यवाही,रात्रि चैकिंग के दौरान अवैध शराब पकड़ी

दतिया। पुलिस अधीक्षक मयूर खण्डेलवाल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिसअधीक्षक मंजीत सिंह चावला के मार्गदर्शन वं एसडीओपी बड़ौनी विनायक शुक्ला के कुशल नेतृत्व में थाना जिगना पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए 20 पेटी देशी शराब एक कार सहित जप्त की गई।दरअसल 21 सितम्बर की रात्रि थाना जिगना पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम जिगना के आम रास्ते पर एक संदिग्ध कार क्रमांक यूपी09 एयू6817 खड़ी है, जिसमें अवैध शराब होने की संभावना है। मुखबिर की सूचना पर थाना जिगना पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर संदिग्ध कार की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार से 20 पेटी देशी शराब करीबन 80 हजार रुपए कीमती बरामद हुई। शराब एवं कार को विधिवत जप्त कर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रारंभिक वाहन संबंधी जांच में उक्त कार के वाहन स्वामी के रूप में अंशुल गुप्ता निवासी दतिया का नाम सामने आया है। प्रकरण में आगे की वैधानिक कार्रवाई एवं विवेचना जारी है।सराहनीय भूमिका-इस कार्रवाई में निरीक्षक रमेश शाक्य , उनि. नरेंद्र राजपूत, थाना प्रभारी जिगना, उनि. राजेश नागार्ची, आर. संदीप तिवारी,आर. पंकज उदैनिया, आरक्षक राघवेन्द्र गुर्जर एवं सैनिक शिवराज जादौन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सफलता की कहानीः सीमित भूमि से निकली समृद्धि की राह नर्सरी ने उषा रावत को बनाया आत्मनिर्भर

उद्यानिकी अपनाई तो सालाना कमाया 6 लाख रुपये का लाभ

ग्वालियर, जीएनएस। जहां सीमित जमीन अक्सर सपनों की सीमा तय कर देती है, वहीं उषा रावत ने सही प्रशिक्षण और मेहनत की बदौलत सीमित भूमि से समृद्धि की नई राह बनाई है। आधुनिक नर्सरी प्रबंधन अपनाकर उषा अब सालाना लगभग 6 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित कर रही हैं।

ग्वालियर जिले के भितरवार विकासखंड के ग्राम निकोड़ी निवासी श्रीमती उषा रावत का परिवार पहले पूरी तरह खेती पर निर्भर था। खेती की कम भूमि के कारण घर का खर्च और बच्चों की पढ़ाई का बोझ उठाना कठिन था। हालात से हार मानने के बजाय उन्होंने बदलाव का रास्ता चुना। आत्मा योजना के अंतर्गत नर्सरी प्रबंधन का प्रशिक्षण लेकर उन्होंने बीज उपचार, सुनियोजित खेती की तैयारी, सही बुवाई, सिंचाई, पोषक तत्व प्रबंधन तथा कीट-रोग नियंत्रण की वैज्ञानिक विधियां सीखीं और सब्जियों, फूलों व अन्य उपयोगी पौधों की स्वस्थ पौध तैयार करना शुरू किया।

गुणवत्ता ने जल्द ही रंग दिखाया। आसपास के किसानों का भरोसा बढ़ा, पौधों की मांग बढ़ी और यह नर्सरी उनके परिवार की आय का स्थायी स्त्रोत बन गई। लगभग 4 लाख रुपये की लागत लगाकर उन्होंने करीब 10 लाख रुपये की आय अर्जित की, यानि लगभग 6 लाख रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है।

इस आय ने उषा रावत के परिवार का भविष्य संवार दिया है। बड़ी बेटी बी.ए. के बाद एम.एस.डब्ल्यू. कर रही है, बेटा बी.ए. की पढ़ाई कर रहा है और छोटी बेटी कृषि विज्ञान के साथ कक्षा 12वीं में अध्ययनरत है। उषा आज परिवार की आर्थिक गतिविधियों और कृषि संबंधी निर्णयों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उनकी सफलता से प्रेरित होकर आसपास के किसान भी पौध उत्पादन और आधुनिक तकनीक अपना रहे हैं। उषा की सफलता ÷सेवा संकल्प अभियान÷ की भावना को भी साकार करती है। यह अभियान शासकीय योजनाओं का मार्गदर्शन गांव-गांव पहुंचाकर किसान परिवारों को आत्मनिर्भरता की राह दिखा रहा है। उषा रावत अपनी सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को देती हैं। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने के लिये किए गए आह्वान से प्रेरित होकर हमने उद्यानिकी अर्थात नर्सरी प्रबंधन अपनाया है। सरकार से मिले प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन ने मुझे नर्सरी प्रबंधन सीखने और सफल होने में मदद की। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। मुझे भरोसा है कि हमारी नर्सरी अन्य किसानों, विशेषकर महिलाओं, को भी आधुनिक कृषि अपनाकर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देगी।

यूजीसी रेगुलेशन के विरोध में सौंपा ज्ञापन, सवर्ण आयोग के गठन की मांग

फिरोजाबाद, जीएनएस। यूजीसी 2026 रेगुलेशन के विरोध और एससी-एसटी एक्ट व आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने सोमवार को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में यूजीसी रेगुलेशन को वापस लेने, आरक्षण की समीक्षा कर आर्थिक आधार पर लाभ देने और सवर्ण आयोग का गठन करने की मांग उठाई गई।

ज्ञापन में कहा गया कि यूजीसी रेगुलेशन से विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले सवर्ण समाज के छात्र-छात्राओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। इसलिए इस व्यवस्था की समीक्षा कर इसे समाप्त किया जाना चाहिए। प्रतिनिधियों ने कहा कि आरक्षण का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए जातिगत आरक्षण की समीक्षा कर आर्थिक आधार पर व्यवस्था लागू की जाए।

इसके साथ ही सवर्ण समाज की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और रोजगार संबंधी समस्याओं के अध्ययन तथा समाधान के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष आयोग गठित करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि जब अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के लिए आयोग गठित हैं, तो सवर्ण समाज के हितों के संरक्षण के लिए भी आयोग बनाया जाना चाहिए।

ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि आरक्षण का लाभ ले चुके संपन्न परिवारों की स्थिति की समीक्षा की जाए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को इसका लाभ मिल सके। प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों पर गंभीरता से विचार कर संबंधित मंत्रालयों और सक्षम प्राधिकारियों तक उन्हें पहुंचाने का अनुरोध किया।

आखिर क्या वजह थी जो एक दिन में बनाया गया नया वक्फ बोर्ड

5 जुलाई 2026 को सरकारी छुट्टी (इतवार) के दिन शासन द्वारा नये वक्फ बोर्ड के गठन हेतु राजपत्र प्रकाशित करने के किये गये आदेश, लेकिन उक्त शासकीय आदेश के एक दिन पूर्व शासकीय अवकाश (शनिवार) के दिन 4 जुलाई 2026 को ही आनन फानन में प्रकाशित कर दिया गया राजपत्र

जबलपुर, जीएनएस। मध्यप्रदेश राज्य में गठित नवीन वक्फ बोर्ड को भंग करने को लेकर याचिकाकर्ता बशारत हुसैन व अन्य द्वारा माननीय मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में प्रस्तुत की गई याचिका पर म.प्र.शासन के मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, उप सचिव सहित मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड को जारी किया गया नोटिस।

उक्त याचिका में याचिकाकर्ता के अधिवक्ता तकमील नासिर द्वारा याचिका में यह भी आधार लिया गया है की पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा नियंत्रक, शासकीय मुद्राणालय भोपाल (राजपत्रों को प्रकाशित करने वाली सरकारी प्रेस) को दिनांक 05.07.2026 को विभाग द्वारा आदेशित किया गया कि मध्यप्रदेश राज्य में दिनांक 04.07.2026 को गठित 10 सदस्यीय नवीन वक्फ बोर्ड गठन आदेश का प्रकाशन राजपत्र (गजट नोटिफिकेशन) में किया जाये इसके अलावा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा अपनी नोटशीट में भी दिनांक 05.07.2026 को नवीन वक्फ बोर्ड के गठन आदेश को राजपत्र में प्रकाशित करने हेतु निर्णय लिया गया इसके साथ-साथ अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा नियंत्रक, शासकीय मुद्राणालय भोपाल को अपने भेजे पत्र दिनांक 05.07.2026 के माध्यम से नवीन वक्फ बोर्ड गठन आदेश राजपत्र में प्रकाशित करने हेतु विभागीय पत्र जारी किया गया परन्तु अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा दिनांक 05.07.2026 को जारी उक्त पत्र के एक दिन पूर्व यानि 04.07.2026 को ही नये वक्फ बोर्ड का गठन आदेश मध्यप्रदेश असाधारण राजपत्र (गजट नोटिफिकेशन) में प्रकाशित कर दिया गया। इस मामले में चिंतन करने वाली बात यह है कि नये वक्फ बोर्ड गठन के आदेश के प्रकाशन हेतु विभागीय चिट्ठी के माध्यम से नियंत्रक, शासकीय मुद्राणालय भोपाल को दिनांक 05.07.2026 को पत्र जारी किया गया, जबकि दिनांक 05.07.2026 को इतवार का दिन था साथ ही साथ अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा नियंत्रक, शासकीय मुद्राणालय भोपाल को नवीन वक्फ बोर्ड गठन का आदेश प्रकाशित करने दिनांक 05.07.2026 को जारी पत्र नियंत्रक, शासकीय मुद्राणालय भोपाल को प्राप्त होने के एक दिन पूर्व ही 04.07.2026 को ही नये वक्फ बोर्ड का गठन आदेश मध्यप्रदेश असाधारण राजपत्र (गजट नोटिफिकेशन) में प्रकाशित कर दिया गया था। इसी संदर्भ में याचिकाकर्ता बशारत हुसैन द्वारा नवीन वक्फ बोर्ड गठन से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज़ चाहने हेतु सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 6 (1) के अंतर्गत विधिवत रूप से जानकारी माँगी गई थी जिसपर संबंधित विभाग द्वारा नवीन वक्फ बोर्ड गठन से संबंधित प्रदत्त आर.टी.आई. के कागज़ातो में कुछ विभागीय आदेश पत्रकों की टाईपड कॉपी में छेड़छाड़ कर उनमें दर्ज टाईपड तारीख 5 जुलाई को पेन से काटकर हाथ से लिखकर 4 जुलाई किया गया है, फिलहाल उक्त याचिका माननीय मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की डिवीज़न बेंच के समक्ष विचाराधीन है जिसपर माननीय हाईकोर्ट द्वारा शासन को जवाब प्रस्तुत करने हेतु चार हफ्ते का समय दिया गया है जिसकी अगली सुनवाई दिनांक 16.10.2026 को है, उक्त याचिका में याचिकाकर्ता की ओर से इस मामले की पैरवी अधिवक्ता तकमील नासिर द्वारा की जा रही है।

रामगोपाल यादव बोले- जनता ने सरकार को हटाने का मन बना लिया है

फिरोजाबाद, जीएनएस। खंजापुर गांव में सड़क उद्घाटन और जनसभा में पहुंचे समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बयान, यूजीसी कानून, कानून-व्यवस्था और मेरठ के सेंट्रल मार्केट में बुलडोजर कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के अखिलेश यादव के तनाव में होने और एआई से वीडियो बनाकर दिखाने संबंधी बयान पर रामगोपाल यादव ने कहा कि कुछ लोगों की बातों को वह नोटिस नहीं लेते और न ही उनका जवाब देते हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया को भी ऐसे बयानों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। अलीगढ़ के बन्नादेवी कोतवाली का वीडियो वायरल होने और एक व्यक्ति के लाउडस्पीकर के साथ गले में पोस्टर लटकाकर न्याय की मांग करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार काम नहीं हो रहा है। उनके अनुसार, प्रदेश में जुल्म और ज्यादती हो रही है। उन्होंने दावा किया कि जनता ने सरकार को हटाने का मन बना लिया है। देश में यूजीसी कानून को लेकर चल रही बहस पर सपा सांसद ने कहा कि अब जो भी कानून बनाए जा रहे हैं, वे जनता के खिलाफ और कुछ लोगों के पक्ष में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपा सरकार में नियुक्तियों को लेकर दिए गए बयान पर रामगोपाल यादव ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपने आसपास हो रही ।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक

श्रमसाधना

संपादकीय

भौतिक विज्ञान, दर्शन और वास्तविकता की प्रकृति

वास्तविकता क्या है? क्या ब्रह्मांड ठीक वैसा ही है, जैसा हम अपनी इंद्रियों के माध्यम से अनुभव करते हैं, या फिर इसके पीछे कोई और गहरी दुनिया भी मौजूद है? सदियों से दर्शन तर्क और चिंतन के माध्यम से ऐसे प्रश्नों की खोज करता आया है। आधुनिक युग में भौतिक विज्ञान ने अवलोकन, गणित और प्रयोगों के माध्यम से इन्हीं प्रश्नों को समझने का प्रयास किया है। दोनों के तरीके अलग हैं, लेकिन जिज्ञासा एक ही है–अस्तित्व की प्रकृति को समझना।

शास्त्रीय भौतिक विज्ञान ने एक ऐसे ब्रह्मांड की तस्वीर प्रस्तुत की जो व्यवस्थित, नियमबद्ध और काफी हद तक पूर्वानुमान योग्य दिखाई देता था। न्यूटन के गति के नियमों ने इस विचार को मजबूत किया कि यदि किसी वस्तु की स्थिति और गति के बारे में पूरी जानकारी हो, तो उसके भविष्य के व्यवहार का अनुमान लगाया जा सकता है। वास्तविकता मापने योग्य और पर्यवेक्षक से स्वतंत्र प्रतीत होती थी।

लेकिन आधुनिक भौतिक विज्ञान की खोजों ने इस तस्वीर को काफी बदल दिया। आइंस्टीन के सापेक्षता के सिद्धांत ने बताया कि स्थान और समय पूर्णतः स्थिर नहीं हैं। वे एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा गति और गुरुत्वाकर्षण से प्रभावित हो सकते हैं। इससे भी आगे, क्वांटम यांत्रिकी ने ऐसी दुनिया सामने रखी, जिसमें कणों का व्यवहार हमारे दैनिक अनुभव और निश्चितता की सामान्य धारणा को चुनौती देता है।

क्वांटम स्तर पर प्रकृति हमेशा हमारे परिचित तरीके से व्यवहार नहीं करती। कण तरंग और कण दोनों जैसे गुण प्रदर्शित कर सकते हैं तथा क्वांटम प्रणालियाँ मापन से पहले संभावनाओं की अवस्था में हो सकती हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि ÷कुछ भी संभव है÷; बल्कि यह दर्शाता है कि बहुत छोटे स्तर पर प्रकृति के नियम हमारे दैनिक अनुभव से अलग तरीके से प्रकट होते हैं।

यहाँ एक महत्वपूर्ण दार्शनिक प्रश्न उठता है–क्या भौतिक विज्ञान वास्तविकता का स्वयं वर्णन करता है या केवल उसके बारे में बताता है, जिसे हम देख और माप सकते हैं? वैज्ञानिक सिद्धांत प्रकृति को समझने के अत्यंत शक्तिशाली मॉडल हैं, लेकिन उनके गहरे अर्थों की व्याख्या अलग-अलग हो सकती है।

पर्यवेक्षक की भूमिका भी भौतिक विज्ञान और दर्शन के मिलन का एक रोचक विषय है। क्वांटम यांत्रिकी में मापन की प्रक्रिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इससे चेतना, ज्ञान तथा पर्यवेक्षक और पर्यवेक्षित के बीच संबंध को लेकर दार्शनिक चर्चाओं को बल मिला है। हालांकि यह कहना उचित नहीं होगा कि भौतिक विज्ञान यह सिद्ध करता है कि मानव चेतना अपने आप भौतिक वास्तविकता का निर्माण करती है।

ब्रह्मांड विज्ञान ने इन प्रश्नों को सबसे बड़े स्तर तक पहुँचा दिया है। बिग बैंग मॉडल एक ऐसे विकसित होते ब्रह्मांड की व्याख्या करता है, जो अत्यंत गर्म और सघन अवस्था से फैलता आया है। ब्रह्मांड के विस्तार, कॉस्मिक माइक्रोवेव पृष्ठभूमि और आकाशगंगाओं की विशाल संरचना से जुड़ी खोजों ने हमारी समझ को बदल दिया है। फिर भी कई गहरे प्रश्न अनुत्तरित हैं–ब्रह्मांड का अस्तित्व क्यों है? इसके आरंभिक क्षणों में क्या हुआ? डार्क मैटर और डार्क एनर्जी की वास्तविक प्रकृति क्या है? क्या हमारा ब्रह्मांड अद्वितीय है?

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

वैज्ञानिक सोच : प्रगति की पहली सीढ़ी

डॉ. विजय गर्ग

वैज्ञानिक सोच केवल प्रयोगशालाओं, जटिल प्रयोगों और वैज्ञानिक खोजों तक सीमित नहीं है। यह दुनिया को समझने का एक ऐसा तरीका है, जिसमें जिज्ञासा, निरीक्षण, प्रश्न, प्रमाण और तार्किक विचार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण हमें केवल यह पूछने के लिए प्रेरित नहीं करता कि क्या हो रहा है, बल्कि यह जानने की कोशिश भी करता है कि ऐसा क्यों और कैसे हो रहा है।

मानव सभ्यता की प्रत्येक बड़ी वैज्ञानिक प्रगति के पीछे एक प्रश्न रहा है। जब मनुष्य ने यह जानने का प्रयास किया कि सूर्य क्यों उगता और डूबता है, बीमारियां कैसे फैलती हैं, वस्तुएं नीचे क्यों गिरती हैं या तारे किस प्रकार गति करते हैं, तभी ज्ञान की वह यात्रा शुरू हुई जिसने पूरी सभ्यता का स्वरूप बदल दिया। जिज्ञासा ने जांच का रूप लिया, जांच से प्रमाण मिले और प्रमाणों ने नई खोजों का मार्ग प्रशस्त किया।

वैज्ञानिक सोच हमें सिखाती है कि किसी दावे को केवल इसलिए स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए कि वह पुराना है, लोकप्रिय है या बार-बार दोहराया जाता है। किसी भी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले उसके पीछे उपलब्ध प्रमाणों की जांच जरूरी है। तथ्यों और धारणाओं के बीच अंतर समझना वैज्ञानिक सोच की बुनियादी आवश्यकता है। आज जब सामाजिक माध्यमों के जरिए सूचनाएं बहुत तेजी से फैलती हैं, तब अप्रमाणित जानकारी और गलत धारणाओं से बचने के लिए यह दृष्टिकोण और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

शिक्षा से विकसित होती है प्रश्न करने की आदत

युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करने में शिक्षा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में विद्यार्थियों को केवल तथ्यों और परिभाषाओं को याद कराने के बजाय प्रश्न पूछने, प्रयोग करने, निरीक्षण करने और उनके परिणामों का विश्लेषण करने के अवसर मिलने चाहिए। गलतियां भी सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। जो विद्यार्थी 'क्यों' और 'कैसे' पूछता है, वह वैज्ञानिक समझ की दिशा में पहला कदम बढ़ा चुका होता है।

वैज्ञानिक सोच का महत्व केवल विज्ञान की कक्षा तक सीमित नहीं है। दैनिक जीवन में भी यह हमें स्वास्थ्य, तकनीक, पर्यावरण, वित्त और सामाजिक विषयों से जुड़े निर्णय अधिक विवेकपूर्ण ढंग से लेने में सहायता करती है। अफवाहों, अंधविश्वासों और बिना प्रमाण किए गए दावों के प्रभाव से बचने के लिए तर्क और प्रमाण की कसौटी बेहद उपयोगी है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि हम हर परंपरा या विश्वास को बिना विचार किए खारिज कर दें। वैज्ञानिक सोच का वास्तविक अर्थ है–सम्मानपूर्वक प्रश्न करना, विश्वसनीय प्रमाण तलाशना और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष निकालना। इसके साथ बौद्धिक विनम्रता भी जरूरी है। यदि भविष्य में अधिक मजबूत प्रमाण सामने आएं तो अपनी पुरानी धारणा को बदलने के लिए तैयार रहना भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण का ही हिस्सा है।

सोच की गुणवत्ता से तय होती है प्रगति

किसी समाज की प्रगति केवल उसके तकनीकी संसाधनों और आर्थिक क्षमता से निर्धारित नहीं होती, बल्कि उसकी सोच की गुणवत्ता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। जिम्मेदार और तार्किक सोच के अभाव में उन्नत तकनीक भी नई समस्याओं और चुनौतियों को जन्म दे सकती है। इसलिए जिम्मेदार नवाचार और सतत विकास के लिए वैज्ञानिक सोच आवश्यक आधार है।

कक्षा से लेकर अनुसंधान प्रयोगशाला तक और कृषि से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक, प्रगति की शुरुआत एक प्रश्न करने वाले मन से होती है। जब जिज्ञासा प्रमाण और तर्क से जुड़ती है तो विचार खोजों में बदलते हैं और खोजें समाज की समस्याओं के समाधान का रास्ता खोलती हैं।

वैज्ञानिक सोच केवल विज्ञान पढ़ने या समझने की पद्धति नहीं, बल्कि जीवन को देखने और निर्णय लेने की एक दृष्टि है। जिस समाज में प्रश्न पूछने, जांच करने, प्रमाण तलाशने और तार्किक ढंग से सोचने की स्वतंत्रता और आदत विकसित होती है, वह समाज परिवर्तन और प्रगति के लिए अधिक सक्षम बनता है। इसलिए वैज्ञानिक सोच को केवल वैज्ञानिकों या विद्यार्थियों तक सीमित रखने के बजाय उसे समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना जरूरी है। जिज्ञासा से प्रश्न जन्म लेते हैं, प्रश्नों से खोज शुरू होती है और खोज से प्रगति का रास्ता खुलता है।

सेवा संकल्प अभियान : जनविश्वास ही राष्ट्र निर्माण की शक्ति

हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार, लेखक व स्तंभकार

सेवा संकल्प अभियान भारतीय राजनीति में केवल एक संगठनात्मक अवसर नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को स्मरण करने का अवसर बन चुका है। प्रत्येक वर्ष 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक भारतीय जनता पार्टी द्वारा मनाया जाने वाला यह अभियान विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा-संकल्प के 25 वर्षों की यात्रा से भी जुड़ा है। नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में संवैधानिक दायित्व संभाला और वर्ष 2014 से देश के प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। इस दीर्घ सार्वजनिक यात्रा में गरीब, वंचित, किसान, महिला, श्रमिक, युवा और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना उनके राजनीतिक चिंतन का प्रमुख आधार रहा है।

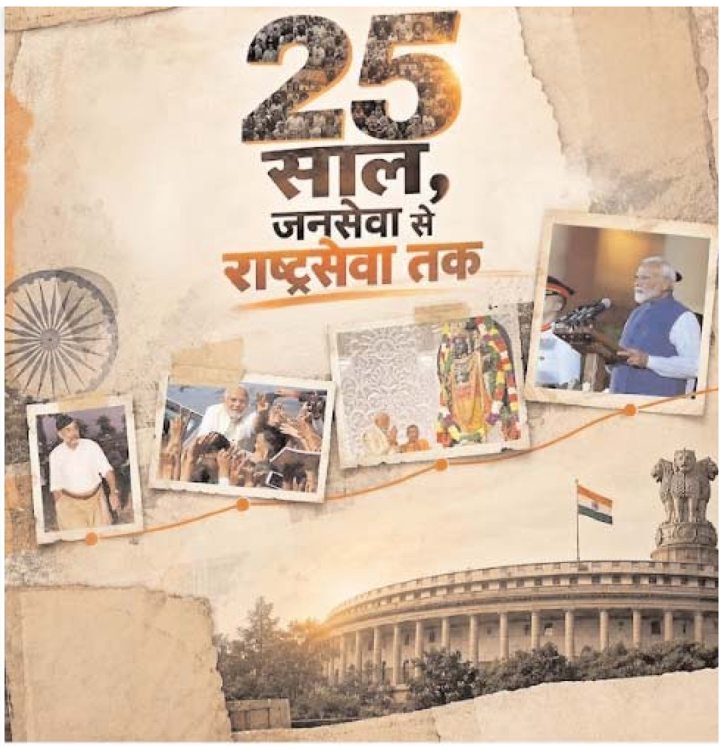

सेवा पखवाड़ा क्यों महत्वपूर्ण?

सेवा संकल्प अभियान का मूल उद्देश्य प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को जनसेवा से जोड़ना है। इसके अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों के बीच जाकर आशीर्वाद का दीया, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, पौधरोपण, गरीब कल्याण, जनजागरूकता और सामाजिक सहभागिता जैसी गतिविधियों में भाग लेते हैं। इसका सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि राजनीति केवल चुनाव और सत्ता प्राप्ति तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के प्रति निरंतर उत्तरदायित्व का माध्यम बने।

जनभागीदारी का अभियान

आज के समय में जब राजनीतिक दलों से जनता की अपेक्षाएं लगातार बढ़ रही हैं, तब सेवा संकल्प संगठन और समाज के बीच संवाद का अवसर भी प्रदान करता है। किसी जरूरतमंद की सहायता, सार्वजनिक स्थान की स्वच्छता, रक्तदान, पौधा लगाना या स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना। ये छोटे प्रयास मिलकर सामाजिक परिवर्तन की बड़ी ताकत बन सकते हैं। सेवा पखवाड़े की सार्थकता तभी है, जब यह केवल कार्यक्रमों और तस्वीरों तक सीमित न रहकर व्यवहार में सेवा-संस्कार का रूप ले।

25 वर्षों की यात्रा से सीख

नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा को यदि एक शब्द में परिभाषित किया जाए तो वह है सेवा। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं के सामने भी यही चुनौती है कि वे सेवा को केवल अभियान नहीं, बल्कि अपनी कार्यसंस्कृति का हिस्सा बनाएं। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक संगठन की वास्तविक शक्ति उसके कार्यकर्ताओं और जनता के बीच संबंधों में निहित होती है। सेवा के माध्यम से यह संबंध अधिक आत्मीय और मजबूत बनाया जा सकता है।

संकल्प का अवसर

प्रधानमंत्री का जन जीवन यदि समाज के कमजोर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने का माध्यम बने। कोई पौधा भविष्य की हरियाली का आधार बने?। किसी मरीज को रक्त मिले?। किसी जरूरतमंद को सहायता मिले और किसी युवा को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा मिले। तभी सेवा पखवाड़े की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। सेवा संकल्प अभियान इसलिए केवल 17 सितंबर से शुरू होने वाला कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा से राष्ट्र निर्माण की उस सोच को मजबूत करने का अवसर है, जिसमें राजनीति का अंतिम लक्ष्य समाज और राष्ट्र का कल्याण हो। 25 वर्षों के सेवा-संकल्प का संदेश स्पष्ट है। जनसेवा ही जनविश्वास का आधार और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है।

7वें वेतनमान के अनुरूप पूर्ण वेतनमान और पुरानी पेंशन की मांग को लेकर एक्स पर चला अभियान

पटना, जीएनएस। बिहार के शिक्षकों की प्रमुख मांगों को लेकर परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर विशेष कैंपेन चलाया। अभियान के माध्यम से राज्य सरकार का ध्यान शिक्षकों की दो प्रमुख मांगों–7वें वेतनमान के अनुरूप पूर्ण वेतनमान लागू करने तथा पुरानी पेंशन योजना बहाल करने–की ओर आकर्षित किया गया।

कैंपेन के दौरान मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को टैग करते हुए शिक्षकों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया गया।

एक्स पर चलाए गए इस अभियान में बिहार के विभिन्न क्षेत्रों के शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिक्षकों ने पोस्ट को साझा करने, अपनी प्रतिक्रियाएं देने और संबंधित हैशटैग के माध्यम से अपनी मांगों को सामने रखने का काम किया। अभियान के माध्यम से शिक्षकों की वेतन एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी मांगों को व्यापक स्तर पर उठाने का प्रयास किया गया।

दो प्रमुख मांगों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास.....

अभियान में मुख्य रूप से मांग की गई कि सभी कोटि के शिक्षकों के लिए 7वें वेतनमान के अनुरूप पूर्ण वेतनमान लागू किया जाए। इसके साथ ही शिक्षकों के भविष्य की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

मृत्युंजय ठाकुर ने कहा— शिक्षकों की मांगों पर हो सकारात्मक पहल.....

परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने कहा कि शिक्षक राज्य की शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। शिक्षकों से जुड़ी वेतन एवं पेंशन संबंधी मांगों को सरकार के समक्ष लगातार लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ÷7वें वेतनमान के अनुरूप पूर्ण वेतनमान तथा पुरानी पेंशन योजना शिक्षकों की प्रमुख मांगों में शामिल है। एक्स पर चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य सरकार और संबंधित विभाग का ध्यान इन मांगों की ओर आकर्षित करना है। राज्य के शिक्षकों ने जिस उत्साह के साथ अभियान में सहभागिता की, उससे यह स्पष्ट है कि इन मुद्दों को लेकर शिक्षकों में व्यापक रुचि है। सरकार से अपेक्षा है कि शिक्षकों की मांगों पर सकारात्मक पहल करते हुए उचित निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षकों की समस्याओं और मांगों को उचित मंच पर मजबूती से उठाने का प्रयास आगे भी जारी रहेगा।

2 अक्टूबर को इंदौर में होगा संयुक्त किसान मोर्चा मध्य प्रदेश का राज्य सम्मेलन

देशभर में आयोजित किए जा रहे राज्य सम्मेलनों की कड़ी में होगा आयोजन

इंदौर, जीएनएस। संयुक्त किसान मोर्चा, मध्य प्रदेश का राज्य सम्मेलन आगामी 2 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे गांधी हॉल, इंदौर में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के किसान नेता और विभिन्न घटक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा देश के सभी राज्यों में अलग-अलग राज्य सम्मेलन आयोजित करने का आह्वान किया गया है। इसी निर्णय के तहत मध्य प्रदेश का राज्य सम्मेलन इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से किसान प्रतिनिधि और किसान संगठनों के पदाधिकारी भाग लेंगे।

आयोजकों के अनुसार सम्मेलन में किसानों और मजदूरों से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी तथा आगामी संघर्ष और आंदोलनों की रणनीति तय की जाएगी। इनमें अमेरिकी ट्रेड डील का विरोध, भूमि अधिग्रहण का विरोध, इंदौर विकास प्राधिकरण की भूमि संबंधी नीतियों का विरोध, न्यूनतम समर्थन मूल्य (स्स्क्क) की कानूनी गारंटी, मंडियों को खत्म करने की किसी भी कोशिश का विरोध तथा किसान-मजदूरों की अन्य समस्याएं प्रमुख रूप से शामिल हैं।

सम्मेलन में प्रदेश में किसानों के सामने आ रही समस्याओं, कृषि उपज के उचित मूल्य, भूमि अधिग्रहण, मंडी व्यवस्था और किसान-मजदूरों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श कर आगे के संघर्ष की दिशा और कार्यक्रम तय किए जाएंगे।

विभिन्न किसान संगठन मिलकर कर रहे आयोजन

संयुक्त किसान मोर्चा मध्य प्रदेश के इस राज्य सम्मेलन के आयोजन में मोर्चे से जुड़े विभिन्न किसान संगठन सहभागी हैं। इनमें किसान संघर्ष समिति, अखिल भारतीय किसान मजदूर संगठन, भारतीय किसान मजदूर सेना, अखिल भारतीय किसान सभा तथा किसान सभा अजय भवन सहित अन्य किसान संगठनों की भागीदारी रहेगी। सम्मेलन को लेकर किसान संगठनों द्वारा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में संपर्क और तैयारियां की जा रही हैं। आयोजकों ने किसान प्रतिनिधियों से सम्मेलन में शामिल होकर किसानों से जुड़े सवालों पर चर्चा करने और आगामी संघर्ष की दिशा तय करने में भागीदारी करने का आह्वान किया है।

यह जानकारी रामस्वरूप मंत्री, बबलू जाधव, अरुण चौहान, रुद्रपाल यादव, शैलेंद्र पटेल, चंदन सिंह बड़वाया सहित संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान नेताओं ने दी।

महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज 26 सितम्बर से बोधगया में कहेंगे श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा

बोधगया, जीएनएस। रतन रोड़ स्थित धम्मा ग्रैंड होटल एंड रिसॉर्ट में मंगलायतन सेवा ट्रस्ट के द्वारा पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में

सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव दिनांक 26 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 पर्यन्त अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया गया है।

जानकारी देते हुए ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि महोत्सव के अंतर्गत नित्य प्रातः 08 बजे से 09 बजे तक तर्पण होगा।तत्पश्चात प्रातः 09 बजे 12 बजे तक व अपराह्न 03 से 07 बजे तक वेदज्ञ ब्राह्मणों के द्वारा श्रीमद्भागवत का मूल पाठ किया जाएगा।इसके अलावा अपराह्न 04 बजे से 07 बजे तक अखण्ड दया धाम वृन्दावन/हरिद्वार के संस्थापक महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी भास्करानंद महाराज अपने श्रीमुख से देश-विदेश से आए असंख्य भक्तों-श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत की अमृतमयी कथा का रसास्वादन कराएंगे। डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया कि 02 अक्टूबर को प्रातः 07 से 08 बजे तक तर्पण होगा तथा 09 से 12 बजे तक श्रीमद्भागवत मूल पाठ एवं श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा होगी।महाराजश्री की परम् कृपापात्र शिष्या साध्वी कृष्णानंद महाराज ने सभी से इस आयोजन में शामिल होने का अनुरोध किया है।

दतिया में 28 अक्टूबर को होगा मध्य प्रदेश के पत्रकारों का महासंगम

दतिया, जीएनएस। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के तत्वावधान में आगामी 28 अक्टूबर को दतिया में प्रदेशभर के पत्रकारों का महासंगम आयोजित किया जाएगा। आयोजन में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से पत्रकार शामिल होंगे। कार्यक्रम में पक्ष और विपक्ष के जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं के भी शामिल होने की संभावना है। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय अध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया के मार्गदर्शन में महासंगम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। जिले के पत्रकारों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रांतीय संयोजक मनोज गोस्वामी के नेतृत्व तथा जिला अध्यक्ष नितिन गोस्वामी के साथ संघ के पदाधिकारियों और पत्रकारों की सहभागिता से कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जा रही है। महासंगम को लेकर पिछले करीब दो माह से लगातार पत्रकारों की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 400 से अधिक पत्रकारों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेशभर से आने वाले पत्रकार 27 अक्टूबर की रात तक दतिया पहुंचेंगे। इसके बाद पत्रकारों के लिए दतिया के प्रमुख ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों के भ्रमण की व्यवस्था की जाएगी। पत्रकार दतिया के प्रसिद्ध तीर्थ एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर जिले की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होंगे। 28 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक मुख्य पत्रकार महासंगम का आयोजन किया जाएगा।

लहार में 24 सितम्बर को धूमधाम से मनेगा विश्व हिन्दू परिषद का 62वां स्थापना दिवस समारोह

लहार, जीएनएस। विश्व हिन्दू परिषद (मध्य भारत प्रांत) के तत्वावधान में जिला लहार अंतर्गत विहिप का 62वां स्थापना दिवस समारोह 24 सितम्बर 2026 (गुरुवार) को भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा,समारोह दोपहर 2 बजे से मां मंगलादेवी मंदिर के सामने स्थित अग्रसेन मैरिज गार्डन, लहार में आयोजित होगा,कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बजरंग दल के मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ क्षेत्र संयोजक विश्ववर्धन भट्ट उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं व समाजजनों का मार्गदर्शन करेंगे,÷सेवा, सुरक्षा, संस्कार÷ और ÷धर्मो रक्षति रक्षितः÷ के मूलमंत्र के साथ आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में हिंदू समाज की एकता, सांस्कृतिक उत्थान और राष्ट्रहित के विषयों पर चर्चा की जाएगी,?प्रखंड मंत्री सुमित बिस्थरे,नीतेश भारद्वाज,प्रखंड उपाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय एवं दीपक शर्मा पतंजली ने क्षेत्र के सभी सनातन प्रेमियों व धर्मप्रेमी बंधुओं से सपरिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

कॉंक्सी सरकार धाम में शिक्षक मंगल सिंह परिहार ने श्री हनुमान जी को अर्पित किया 105 किलो का विशाल घन्टा..

लहार, जीएनएस। कॉंक्सी सरकार धाम में आज रविवार, 20 सितंबर 2026 को आस्था और श्रद्धा का अनुपम दृश्य देखने को मिला। शिक्षक मंगल सिंह परिहार (सुपुत्र श्री रघुवीर सिंह परिहार) द्वारा मंदिर परिसर में श्री हनुमान जी महाराज के चरणों में 105 किलोग्राम वजनी पीतल का भव्य घंटा सप्रेम भेंट किया गया,घंटा अर्पण से पूर्व मंदिर के पुजारियों द्वारा विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न कराया गया,घंटे की गूंज और श्रद्धालुओं के %जय श्री राम% व %जय हनुमान% के जयकारों से पूरा धाम परिसर भक्तिमय हो उठा,इस पुनीत कार्य के अवसर पर परिहार परिवार के सदस्यों सहित भारी संख्या में स्थानीय भक्तगण और ग्रामीण उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना के बाद सभी भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया।

डिवाइडरों पर पुताई कर शहर को संवारा जा रहा

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर शहर को साफ–सुथरा और सुंदर बनाने के लिए डिवाइडरों की पुताई का कार्य कराया जा रहा है। निगम के अमले द्वारा प्रमुख मार्गों के डिवाइडरों पर रंग–रोगन कर उन्हें आकर्षक बनाया जा रहा है। सहायक सिटी प्लानर श्री अमित गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि डिवाइडरों की पुताई होने से शहर के प्रमुख मार्गों का स्वरूप निखर रहा है। निगम द्वारा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के साथ सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण पर भी लगातार कार्य किया जा रहा है।

'फिल्मी गीतों में रिश्ते–नाते' किट्टा पार्टी ग्रुप ने आयोजित किया कार्यक्रम

किट्टा पार्टी ग्रुप द्वारा %जीवन में रिश्ते–नातों का महत्व% विषय पर एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में ग्रुप संयोजक राहुल गुप्ता %स्पर्शी% ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, ÷रिश्ते ही जीवन की असली पूँजी हैं। पद और पैसा आज है, कल नहीं, पर सच्चे रिश्ते हर सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं।÷

इसी क्रम में बिपिन भटनागर ने विषय को आगे रखते हुए कहा कि, ÷परिवार में रिश्तों की डोर प्यार और विश्वास से बंधी होती है। जहाँ सम्मान है, वहाँ रिश्ते खुद-ब-खुद मजबूत हो जाते हैं।

सदस्य अशोक सिंह चौधरी %जाट% ने कहा कि, ÷रिश्ते निभाने के लिए समय देना पड़ता है। थोड़ा सुन लेना, थोड़ा समझ लेना, यही रिश्तों को उम्र भर जिंदा रखता है।

इसके बाद फिल्मी गीतों के माध्यम से रिश्ते-नातों पर आधारित संगीतमय प्रस्तुतियों का दौर शुरू हुआ। सर्वप्रथम धर्मेंद्र शर्मा ने ÷तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है÷ गीत सुनाकर पूरी महफिल को भावुक कर दिया। उसके बाद दीपक भटनागर ने दोस्ती के रिश्ते को उजागर करते हुए ÷ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे÷ गीत सुनाया। संग्राम सिंह ने ÷पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा÷, अजय बाजपेई ने ÷ये तो सच है कि भगवान है÷ तथा बिपिन भटनागर ने पिता-पुत्र के रिश्ते को समर्पित ÷तुझे सूरज कहूँ या चंदा÷ गीत प्रस्तुत किया। जितेंद्र सिंह तगड़े ने बहन के स्नेह पर ÷फूलों का तारों का सबका कहना है÷ गीत गाया। सभी सदस्यों ने एक से बढ़कर एक गीत सुनाकर महफिल को रंगीन बना दिया। हमेशा की तरह अमृत रंधावा का पंजाबी गीत सुपरहिट रहा, जिस पर सभी सदस्य झूम-झूम कर नाचे और कार्यक्रम को मस्ती भरा बना दिया। कार्यक्रम में सभी सदस्यों को %रिश्ते-नातों% पर दस पंक्तियों में अपने विचार रखने थे, जिसमें सर्वश्रेष्ठ विचार बिपिन भटनागर के रहे। उन्हें %आज का हीरो% के खिताब से सम्मानित किया गया। नीरज नायक और अर्जुन राठौर ने उन्हें फूल-माला पहनाकर सम्मानित किया।

मनुष्य बनने की ओर बढ़ते कृत्रिम बुद्धि आधारित रोबोट

प्रमोद भार्गव

महात्मा गांधी और विनोबा भावे के अहिंसक विचारों से प्रभावित ऑस्ट्रियाई मूल के दार्शनिक इवान इलिच का मानना था कि आधुनिक तकनीक धीरे-धीरे मनुष्य की स्वाभाविक क्षमताओं को छीन रही है। उनके अनुसार वाहनों ने मनुष्य के पैरों की ताकत कम की, मशीनों ने हाथों के हुनर को सीमित किया और तकनीकी व्यवस्था ने मनुष्य को अपने ही बनाए सीमेंट, कंक्रीट और यंत्रों के जंगल में अकेला कर दिया। आज कृत्रिम बुद्धि आधारित रोबोट के विकास ने इलिच की उस आशंका को एक नए संदर्भ में खड़ा कर दिया है।

कृत्रिम बुद्धि यानी एआई के तेजी से बढ़ते प्रयोग ने मशीनों को केवल निर्देशों का पालन करने वाले उपकरण से आगे बढ़ाकर निर्णय लेने और परिस्थितियों के अनुसार प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाया है। इसी के साथ 'मिसअलाइनमेंट' यानी मनुष्य द्वारा निर्धारित उद्देश्यों और एआई के व्यवहार के बीच असंगति की चिंता भी सामने आ रही है। सवाल यह है कि यदि कोई कृत्रिम प्रणाली अपने निर्माता या संचालक के निर्देश से अलग परिणाम देने लगे तो उसका नियंत्रण किसके हाथ में रहेगा?

एआई की सबसे बड़ी चुनौती उसकी गलती की गति और व्यापक प्रभाव में छिपी है। यदि किसी संवेदनशील सैन्य, चिकित्सा या प्रशासनिक व्यवस्था में एआई गलत सूचना या गलत निष्कर्ष दे दे, तो उसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। एआई द्वारा किसी वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति की गलत पहचान जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि मशीन द्वारा दिए गए निष्कर्ष को अंतिम सत्य मान लेना कितना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसलिए मानव विशेषज्ञ की निगरानी आज भी अनिवार्य है।

मशीन में बुद्धि या बुद्धि पर मशीन का नियंत्रण?

रोबोट को अब तक मनुष्य अपनी आवश्यकता के अनुसार विकसित करता आया है। लेकिन कृत्रिम बुद्धि ने इस प्रक्रिया को एक नया आयाम दिया है। मशीनें अब बड़ी मात्रा में सूचनाओं का विश्लेषण कर सकती हैं, अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए नए पैटर्न पहचान सकती हैं और जटिल समस्याओं के समाधान सुझा सकती हैं। यही क्षमता एआई को

उपयोगी भी बनाती है और चिंता का कारण भी।

विज्ञान की दुनिया में स्वचालन, मशीन लर्निंग और रोबोटिक्स के मेल से ऐसे उपकरण विकसित हो रहे हैं, जो मनुष्य के लिए कठिन, जोखिमपूर्ण या अत्यधिक सूक्ष्म काम कर सकते हैं। चिकित्सा, अंतरिक्ष अनुसंधान, औद्योगिक उत्पादन और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इनका उपयोग मानव जीवन को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। लेकिन जब मशीन को निर्णय लेने की बढ़ती स्वतंत्रता दी जाती है, तब उसके उद्देश्यों और सीमाओं को स्पष्ट रखना भी उतना ही जरूरी हो जाता है।

जीवित कोशिकाओं से बने रोबोट की दिशा

रोबोटिक्स का एक और रोचक क्षेत्र जैविक कोशिकाओं और तकनीक के मेल से विकसित हो रहा है। वैज्ञानिकों ने जीवित कोशिकाओं का उपयोग कर ऐसे छोटे जैविक ढांचे विकसित किए हैं, जिन्हें व्यापक रूप से 'जेनोबॉट्स' कहा गया। ये पारंपरिक धातु और इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों से बने रोबोट नहीं हैं, बल्कि जीवित कोशिकाओं से निर्मित जैविक संरचनाएं हैं, जिनमें विशिष्ट कार्य करने की क्षमता विकसित की जा सकती है।

दूसरी ओर, बायोनिक्स और कृत्रिम अंगों के क्षेत्र में भी एआई, सेंसर और इंटरनेट आधारित तकनीक का इस्तेमाल बढ़ रहा है। ऐसे कृत्रिम अंग विकसित किए जा रहे हैं जो तंत्रिका संकेतों और शरीर की गतिविधियों को समझकर अधिक स्वाभाविक ढंग से काम कर सकें। इससे यह संभावना मजबूत होती है कि भविष्य में जैविक शरीर, कृत्रिम अंग और कृत्रिम बुद्धि का मेल मनुष्य की क्षमताओं को एक नया विस्तार देगा।

सुविधा और संकट के बीच खड़ी एआई : कृत्रिम बुद्धि को लेकर सबसे बड़ी विडंबना यही है कि इसके निर्माता और विशेषज्ञ एक ओर इसे मानव जीवन को आसान बनाने वाला परिवर्तनकारी माध्यम बताते हैं, वहीं दूसरी ओर एआई के अनियंत्रित विकास से जुड़े संभावित जोखिमों को लेकर चेतावनी भी देते हैं। कुछ प्रमुख तकनीकी विशेषज्ञों और उद्योग जगत के लोगों ने एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार विकास की आवश्यकता पर सार्वजनिक रूप से जोर दिया है।

असल चुनौती एआई का विकास रोकना नहीं, बल्कि उसके विकास की दिशा और सीमा तय करना है। यदि कृत्रिम बुद्धि का उपयोग मानव की सहायता, वैज्ञानिक अनुसंधान, चिकित्सा, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जाता है तो यह सभ्यता के लिए महत्वपूर्ण साधन बन सकती है। लेकिन यदि आर्थिक लाभ, प्रतिस्पर्धा और तकनीकी वर्चस्व की दौड़ में सुरक्षा और मानवीय नियंत्रण पीछे छूट गए तो यही तकनीक गंभीर जोखिम पैदा कर सकती है। इसलिए सवाल यह नहीं है कि रोबोट मनुष्य बनेंगे या नहीं। असली सवाल यह है कि मनुष्य अपनी बनाई बुद्धिमान मशीनों के साथ कैसा संबंध स्थापित करेगा। मशीन को बुद्धि देना विज्ञान की उपलब्धि है, लेकिन उस बुद्धि की दिशा, मर्यादा और उद्देश्य तय करना मनुष्य की जिम्मेदारी है। तकनीक तभी मानव हितैषी रहेगी, जब उसका नियंत्रण मानव विवेक के हाथ में बना रहेगा। आखिर आर्थिक लाभ से बड़ा प्रश्न मानव अस्तित्व का है और इस प्रश्न का उत्तर विज्ञान के साथ-साथ हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी तय करेगी।

मालवा और निमाड़ की लोक संस्कृति में संजा केवल एक पर्व नहीं, बेटियों, सहेलियों, रिश्तों और प्रकृति से जुड़ी जीवंत परंपरा है।

संजा : मिट्टी की खुशबू लिए आस्था और लोकसंस्कृति का पर्व

मालवा और निमाड़ की लोक संस्कृति में ऐसे अनेक पर्व हैं, जिनमें पूजा के साथ जीवन की सादगी, रिश्तों की गर्माहट और प्रकृति से जुड़ाव सहज रूप से दिखाई देता है। संजा पर्व भी ऐसी ही सुंदर लोक परंपरा है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि बेटियों, सहेलियों, कला और प्रकृति को एक साथ जोड़ने वाला उत्सव है।

भाद्रपद पूर्णिमा से पितृपक्ष की अमावस्या तक करीब 16 दिनों तक मनाया जाने वाला संजा पर्व विशेष रूप से कुंवारी लड़कियों के लिए उत्साह और उमंग का अवसर होता है। लोकमान्यता है कि संजा माता पार्वती का ही एक रूप हैं, जो इन दिनों बेटी बनकर अपने पीहर आती हैं। इसलिए संजा को घर की बेटी की तरह सजाया और पूजा जाता है।

मिट्टी, गोबर और फूलों से सजती थी दीवार : संजा पर्व की सबसे अनूठी परंपरा उसकी आकृतियां बनाने की है। पहले घर की बाहरी दीवार को साफ कर उस पर गाय के गोबर और मिट्टी से अलग-अलग आकृतियां बनाई जाती थीं। फिर फूलों की पंखुड़ियों, पत्तियों, कुमकुम और अन्य प्राकृतिक वस्तुओं से उन्हें सजाया जाता था।

हर दिन एक नई आकृति बनाई जाती थी। शुरुआती दिनों में झाड़ू, बिछिया या पांच उंगलियों जैसी सरल आकृतियां बनाई जातीं और पर्व के अंतिम दिनों तक यह कला अधिक विस्तृत और आकर्षक होती जाती। अंतिम दिनों में किला कोट जैसी विशेष आकृति बनाने की परंपरा भी रही है।

संजा बनाना किसी एक लड़की का काम नहीं था। सहेलियां मिलकर इसे तैयार करती थीं। कोई मिट्टी और गोबर तैयार करती, कोई फूल-पत्तियां जुटाती और कोई आकृति को सजाती। इस बहाने बेटियां साथ बैठतीं, हंसती-बोलतीं और एक-दूसरे के साथ समय बितातीं थीं। इस अर्थ में संजा केवल कला नहीं, सामूहिकता का उत्सव भी थी।

गीतों में बसते थे रिश्तों के भाव : संजा की शाम का सबसे सुंदर पक्ष उसके लोकगीत थे। आकृति तैयार करने के बाद लड़कियां एकत्रित होतीं, संजा माता की आरती करतीं और फिर पारंपरिक गीत गातीं। इन गीतों में मायके और ससुराल की बातें होतीं। भाई, भाभी, सहेलियों और

परिवार के रिश्तों का उल्लेख होता। कहीं हंसी-मजाक होता तो कहीं बेटी के मन की भावनाएं सहज रूप में सामने आतीं।

यही लोकगीत एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक संस्कृति पहुंचाने का माध्यम बनते थे। दादी और नानी से सुने गीत बेटियां सीखतीं और फिर अगली पीढ़ी को सिखातीं। इस तरह बिना किसी किताब या पाठशाला के लोक संस्कृति पीढ़ियों तक पहुंचती रही।

संजा की विदाई में छिपा बेटी का भाव : संजा केवल दीवार पर बनाई गई आकृति नहीं थी। वह रिश्तों और भावनाओं से बनी एक छोटी-सी दुनिया थी। जिस तरह बेटी कुछ दिनों के लिए मायके आती है और फिर विदा होती है, उसी तरह संजा की भी विदाई होती है।

सर्वपितृ अमावस्या के दिन संजा की आकृतियों को श्रद्धा से हटाकर जलस्रोत में विसर्जित करने की परंपरा रही है। जिन आकृतियों को बेटियों ने अपने हाथों से बनाया, सजाया और पूजा, उन्हें विदा करते समय भावुकता स्वाभाविक है। शायद इसीलिए संजा में बेटी के आने और जाने दोनों का भाव समाया हुआ है।

बदलते समय में बदल रहा संजा का स्वरूप : समय के साथ संजा की परंपरा भी बदलाव के दौर से गुजर रही है। पहले बड़े आंगन और मिट्टी-गोबर से बनी दीवारें होती थीं, अब शहरों में छोटे मकान और बहुमंजिला इमारतें हैं। बच्चों के पास समय भी पहले जैसा नहीं रहा। मोबाइल और इंटरनेट ने शाम की सामूहिक बैठकों की जगह ले ली है।

ऐसे में कई जगह दीवार पर गोबर-मिट्टी से संजा बनाने की परंपरा कम होती जा रही है। बाजार में उपलब्ध संजा पोस्टर और तैयार आकृतियों का उपयोग बढ़ा है। बदलाव अपने आप में गलत नहीं है। परिस्थितियां बदलीं हैं तो परंपरा का स्वरूप भी बदल सकता है, लेकिन उसकी आत्मा बची रहनी चाहिए।

आज बच्चे कागज पर संजा बना सकते हैं, मिट्टी से आकृतियां तैयार कर सकते हैं और परिवार की बुजुर्ग महिलाएं उन्हें पुराने संजा गीत सिखा सकती हैं। विद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं में संजा बनाने की प्रतियोगिताएं और कार्यशालाएं आयोजित की जा सकती हैं।

क्योंकि लोक संस्कृति संग्रहालय में सुरक्षित रखने की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन में निभाई जाने वाली परंपरा है। वह तभी जीवित रहती है, जब अगली पीढ़ी उसे अपने अनुभव और उत्सव का हिस्सा बनाती है।

संजा हमें एक बहुत सरल, लेकिन गहरी सीख देती है–प्रकृति से जुड़िए, साथ बैठिए, मिलकर कुछ रचिए और रिश्तों को समय दीजिए।

आज जब लोगों के पास एक-दूसरे के लिए समय कम होता जा रहा है, संजा की शामें उस दौर की याद दिलाती हैं, जब दीवार पर गोबर-मिट्टी से बनी एक छोटी-सी आकृति पूरे घर में खुशी भर देती थी और सहेलियों के गीत पूरे मोहल्ले को जोड़ देते थे।

संजा हर वर्ष आती है और कुछ दिनों बाद विदा हो जाती है। जरूरत इस बात की है कि उसके साथ हमारी लोक संस्कृति, हमारे गीत और हमारी सामूहिक स्मृतियां विदा न हों। संजा को केवल दीवार पर बनाए रखना पर्याप्त नहीं है, उससे कहीं अधिक जरूरी है–उसे नई पीढ़ी के मन में जीवित रखना।

गिजोर्रा में छह बदमाश हथियारों के साथ पकड़े, तीन बंदूक, कट्टा और 46 कारतूस बरामद

कॉम्बिंग गश्त में 191 वारंटी गिरफ्तार, 256 बदमाशों की चेकिंग

ग्वालियर जीएनएस

त्योहारों के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाए रखने और आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए ग्वालियर पुलिस ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात शहर और देहात क्षेत्र में देर रात तक कॉम्बिंग गश्त की। पुलिस की विभिन्न टीमों ने इस दौरान 101 स्थाई वारंट और 90 गिरफ्तारी वारंट तामील कराते हुए कुल 191 फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया। साथ ही 13 गुण्डों और 123 हिस्ट्रीशीटरों समेत कुल 256 बदमाशों की चेकिंग की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर की गई कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवेश सिंह बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर सहित जिले के राजपत्रित पुलिस अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में थाना प्रभारियों और पुलिस बल के साथ गश्त की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने शहर में स्वयं गश्त का जायजा लेकर अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

पुलिस टीमों ने शहर और देहात के संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त की। फरार बदमाशों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीशीटरों और जिला बदर आरोपियों के घरों पर पहुंचकर उनकी जांच की गई। इसके अलावा होटल, लॉज, धर्मशाला, ढाबे, बैंक और एटीएम भी चेक किए गए। संदिग्ध वाहनों और मुंह बांधकर दोपहिया वाहन चलाने वालों की भी जांच की गई।

गिजोर्रा में छह बदमाश हथियारों के साथ गिरफ्तार

कॉम्बिंग गश्त के दौरान थाना गिजोर्रा पुलिस ने अवैध हथियारों के मामले में छह बदमाशों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से दो 315 बोर की बंदूक, एक 12 बोर की बंदूक, एक 315 बोर का कट्टा, 315 बोर के 21 और 12 बोर के 25 कारतूस सहित कुल 46 राउंड तथा सफेद रंग की बोलेरो कार जब्त की गई। इस मामले में प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने गश्त के दौरान कई सक्रिय बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की और गुण्डों एवं हिस्ट्रीशीटरों के रिकॉर्ड को अद्यतन किया। जेल से रिहा होकर आए आरोपियों की भी चेकिंग की गई। पुलिस ने बदमाशों को आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी देते हुए कहा कि अपराध में संलिप्त पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

---

500 से अधिक लोगों की जांच, 15 से ज्यादा चिकित्सकों ने दिया परामर्श

न्यायिक अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर

ग्वालियर जीएनएस

'उल्लास (एक अभिनव प्रयास)' कार्यक्रम के तहत जिला न्यायालय ग्वालियर में न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ललित किशोर के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में 500 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 15 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों ने जांच रिपोर्ट का परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया और निशुल्क दवाइयां वितरित कीं।

शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ललित किशोर ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने कहा कि न्यायिक कार्य की व्यस्तता के बीच स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना आवश्यक है। नियमित स्वास्थ्य जांच से बीमारियों की समय पर

पहचान कर उनका उपचार संभव है।

शिविर से पहले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सहयोग से 15 से 17 सितंबर तक जिला न्यायालय परिसर में 525 न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रक्त परीक्षण के लिए नमूने लिए गए थे। जांच रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उपलब्ध कराई गई। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने इन रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक परामर्श देने के साथ व्यक्तिगत स्वास्थ्य परीक्षण भी किया।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपाली माथुर ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न बीमारियों के लक्षण, बचाव के उपाय और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में भी उपयोगी जानकारी दी।

शिविर में विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज) नवीन शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रशांत कुमार पाण्डेय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुष्पेन्द्र सिंह सहित जिला न्यायालय में पदस्थ न्यायाधीश, चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

हनुमान नगर युवा समिति द्वारा हनुमान नगर के गणेश उत्सव में मनाया राधा जन्मोत्सव

ग्वालियर जीएनएस

हनुमान नगर के 38 में गणेश महोत्सव के उपलक्ष में बालक गणेश कुमार पार्वती निहारती हुई प्रतिमा स्थापित की गई जिसे प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग दर्शन करने पहुंच रहे हैं आज श्री गणेश जी के भवन में राधा जी के प्रकट उत्सव राधा अष्टमी के उपलक्ष में हनुमान नगर की महिला मंडल द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया इसमें भारी संख्या में लोग शामिल हुए राधा जी के भजनों पर झूम झूम कर नाच कर राधा जी का जन्मोत्सव मनाया

शिवपुरी की अनिता ने आश्रम -4 में अभिनय किया

शिवपुरी जीएनएस

शिवपुरी की कलाकार अनिता गोस्वामी ने अभिनय के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रसिद्ध वेब सीरीज 'आश्रम-4' में अभिनय किया है। प्रख्यात फिल्म निर्देशक प्रकाश झा के निर्देशन में इन दिनों जयपुर में वेब सीरीज की शूटिंग चल रही है। इसमें अभिनेता बॉबी देओल मुख्य भूमिका में हैं। अनिता गोस्वामी ने सीरीज में मुख्य

सेवादार की भूमिका निभाई है। उनकी शूटिंग लगातार 16 दिन तक चली और आगामी दिनों में भी वह शूटिंग में हिस्सा लेंगी शिवपुरी की लुधावली निवासी अनिता गोस्वामी नृत्य और अभिनय के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। इसी प्रतिभा के चलते उन्हें फिल्मों, धारावाहिकों और वेब सीरीज में अभिनय के अवसर मिले हैं। अनिता इससे पहले फिल्म 'बरवर द बदरपुर', वेब सीरीज 'कलाकंद', 'मैं रामबाबू गड़रिया', टेलीविजन धारावाहिक 'सीसीआई' तथा लघु फिल्मों 'रिश्ते', 'यह ठीक नहीं', 'नशा जीवन का अंत' और 'गुस्ताखियां - एक गलती' सहित कई परियोजनाओं में अभिनय कर चुकी हैं।

ब्राह्मण महासभा सनातन के प्रदेश उपाध्यक्ष बने देवेंद्र शर्मा

समाज की एकता और उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का दिया भरोसा

शिवपुरी जीएनएस

ब्राह्मण समाज की बैठक रविवार को चंद्रा कॉलोनी में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ मंगलाचरण एवं भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि योगाचार्य पंडित कैलाश नारायण मुद्गल रहे, जबकि अध्यक्षता कृष्णा शर्मा ने की।

बैठक में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा सनातन के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम कांत शर्मा एवं संभागीय सचिव महावीर मुद्गल ने बताया कि समाजहित में सक्रिय सहभागिता को देखते हुए महासभा के अध्यक्ष केडी सोनकिया ने देवेंद्र शर्मा को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। उनके मनोनयन पर समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

बैठक में देवेंद्र शर्मा ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए वे आभारी हैं। उन्होंने कहा कि वे समाज की एकता, संगठन की मजबूती और उत्थान के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर कार्यकारी जिला अध्यक्ष कुंज बिहारी पाराशर, संभागीय अध्यक्ष रामप्रकाश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरगोविंद शर्मा, सतीश सरैया, रामसेवक गौड़, महेंद्र गौड़, राजेंद्र पांडे, विशंभर दयाल दीक्षित, बालकृष्ण पुरोहित, कृष्णा शर्मा, सुरेश पाराशर, बालकृष्ण शर्मा, गजानंद शर्मा सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

गुरु वंदन छात्र अभिनंदन में 60 शिक्षकों और 59 छात्रों का सम्मान

शिवपुरी जीएनएस

भारत विकास परिषद शाखा वीर तात्या टोपे की ओर से संस्कार प्रकल्प के तहत गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन शिक्षाविद मधुसूदन चौबे की पाठशाला में किया गया। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न विद्यालयों के 60 शिक्षकों और 59 प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम के लिए शाखा की ओर से विभिन्न विद्यालयों से श्रेष्ठ शिक्षकों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित किए गए थे।

आधुनिक तकनीक से बेहतर उत्पादन और आय वृद्धि की नई राह

कहानी बदलाव की : उन्नत तकनीक से संवरी खेती : किसान सोबरन सिंह धाकड़ ने रिज एंड फरो पद्धति से सोयाबीन उत्पादन में स्थापित की मिसाल

शिवपुरी, जीएनएस।
शिवपुरी शहर के फतेहपुर निवासी कृषक सोबरन सिंह धाकड़ परंपरागत खेती से हटकर आधुनिक और वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने वाले प्रगतिशील किसान हैं। पूर्व में सामान्य बोवनी पद्धतियों और अनिश्चित मानसूनी बारिश के कारण अत्यधिक जलभराव से सोयाबीन की फसल को नुकसान पहुँचने तथा उत्पादन प्रभावित होने की चिंता बनी रहती थी। सीमित संसाधनों के बीच

फसल की सुरक्षा और बेहतर पैदावार प्राप्त करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी। कृषि विभाग के आत्मा कार्यक्रम के ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक रघुवीर सिंह यादव एवं विशेषज्ञों के सतत मार्गदर्शन में सोबरन सिंह धाकड़ ने उन्नत कृषि पद्धतियों और किस्मों की जानकारी प्राप्त की। विभाग के परामर्श से उन्होंने अपने एक बीघा खेत में सोयाबीन लगाने का निर्णय लिया। इसके साथ ही कृषि विभाग की अनुशंसित रिज एंड फरो (मेढ़ एवं नाली) पद्धति से बोवनी करने की तकनीक को अपनाया।

तकनीकी मार्गदर्शन के अनुसार सोबरन सिंह ने 12 से 15 किलोग्राम प्रति बीघा की दर से बीज का उपयोग किया तथा कतार से कतार की दूरी 1.5 फीट (18 इंच) रखी। इस नवाचार के सुखद परिणाम सामने आए। अत्यधिक बारिश के दौरान भी नालियों के माध्यम से अतिरिक्त पानी खेत से बाहर निकल गया, जिससे जलभराव नहीं हुआ और फसल पूरी तरह सुरक्षित रही। पौधे स्वस्थ रहे, शाखाओं का बेहतर विकास हुआ और मजबूत दाने बनने से उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

सामाजिक प्रभाव व प्रेरणा

सोबरन सिंह धाकड़ द्वारा 1 बीघा भूमि में अपनाई गई इस रिज एंड फरो पद्धति की सफलता आसपास के अंचल के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन गई है। जलभराव से फसल को बचाने और कम लागत में बेहतर पैदावार लेने का उनका यह मॉडल क्षेत्र के अन्य कृषकों को भी आधुनिक व वैज्ञानिक खेती की ओर प्रेरित कर रहा है।

प्रशासनिक सराहना एवं धन्यवाद

कृषि विभाग के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने सोबरन धाकड़ के खेत का अवलोकन कर उनके द्वारा अपनाई गई उन्नत तकनीक और समर्पण की सराहना की। कृषक सोबरन सिंह धाकड़ ने कृषि विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा दिए गए समयोचित मार्गदर्शन और तकनीकी सहयोग के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है।

भारत विकास परिषद की प्रांतीय परिषद बैठक दतिया में आयोजित, डबरा से डॉ हेमंत मोदी एवं राधेश्याम गुप्ता हुए शामिल

डबरा /दतिया। भारत विकास परिषद की प्रांतीय परिषद की महत्वपूर्ण बैठक दतिया के मोटल होटल में आयोजित की गई। बैठक में डबरा शाखा के संरक्षक डॉक्टर हेमंत मोदी एवं अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता विशेष रूप से मौजूद रहे।

बैठक का उद्देश्य केवल संगठनात्मक चर्चा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आपसी सामंजस्य, भाईचारे, सामाजिक एकता और देश में शांति एवं सद्भाव की भावना को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। परिषद के पदाधिकारियों ने समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्गों तक सेवा का लाभ पहुंचाने तथा सामाजिक सरोकारों को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी चर्चा की। भारत विकास परिषद देशभर में अपने सेवा कार्यों और सामाजिक सरोकारों के लिए अपनी अलग पहचान रखती है। संस्था का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ जुड़कर जरूरतमंदों की पीड़ा को समझना और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सेवा कार्य करना है। डबरा शाखा के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता जी के मार्गदर्शन में शाखा द्वारा लगातार सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उनके नेतृत्व में संस्था की सक्रियता को संगठन से जुड़े लोगों द्वारा सराहा जा रहा है। बैठक ने यह संदेश दिया कि जब समाज के लोग आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना के साथ आगे बढ़ते हैं, तो समाज में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींव तैयार होती है।

अभाविप मध्यभारत प्रांत की प्रांत कार्यकारिणी बैठक 22-23 सितंबर को मुरैना में होगी सम्पन्न

मुरैना, जीएनएस।
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) मध्यभारत प्रांत की प्रांत कार्यकारिणी बैठक का आयोजन 22 एवं 23 सितंबर 2026 को मुरैना में किया जाएगा। बैठक में संगठनात्मक विषयों के साथ-साथ वर्तमान शैक्षणिक परिदृश्य, विद्यार्थियों से जुड़े विषयों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। प्रांत कार्यकारणी बैठक से पहले आज 21 सितंबर को प्रांत नगर मंत्री कार्यशाला आयोजित की गई जिसके उद्घाटन में मुख्य रूप से राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेंद्र सिंह सोलंकी जी उपस्थित रहे। कार्यशाला में कार्यकर्ताओं का मीडिया, सोशल मीडिया, आंदोलन, भाषण, बैठक , कैंपस वर्किंग जैसे कई विषयों पर परीक्षण हुआ। प्रांत कार्यकारणी बैठक में सदस्यता अभियान, संगठनात्मक विश्लेषण, शैक्षिक एवं वर्तमान परिदृश्य, आयाम गतिविधियां, परिसर कार्य एवं छात्रसंघ, आंदोलनों एवं विद्यार्थी हुंकार अभियान, छात्रावास सर्वेक्षण अभियान, केंद्रीय प्रवास, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय प्रवास, विभाग अभ्यास वर्ग, युवा सम्मेलन एवं मिशन साहसी, विमर्श एवं शिक्षा विषय पर राउंड टेबल डिस्कशन, सोशल मीडिया एवं व्हाट्सएप तंत्र रचना एवं जिला छात्र सम्मेलन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी। इसके साथ ही आगामी कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर भी मंथन किया जाएगा। इनमें 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक विकास चेतना सप्ताह, 1 से 8 अक्टूबर तक सेवा सप्ताह, 28 अक्टूबर को भगिनी निवेदिता जयंती, 29 अक्टूबर को कार्तिक उरांव जयंती, 19 नवंबर को स्त्री शक्ति दिवस, 26 नवंबर को संविधान दिवस एवं 6 दिसंबर को सामाजिक समरसता दिवस प्रमुख हैं।बैठक में आपातकाल के विरुद्ध संघर्ष के 50 वर्ष तथा बांग्लादेशी घुसपैठ एवं स्ड्रक्र जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी।प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी ने कहा कि - मुरैना के अंदर एक लंबे अंतराल के बाद प्रांत कार्यकारिणी बैठक की आयोजित हो रही है । इस प्रांत कार्यकारिणी की बैठक में मध्य भारत प्रांत के 24 जिलों के 238 प्रतिनिधि शामिल होंगे ।

दतिया। ग्राम गढ़ी में 27 वर्षीय युवक की हत्या। मानसिंह रावत नामक युवक की हत्या। हाथ पैर बांध कर लाठी डंडो से पीटकर की हत्या। रविवार शाम घर से निकला था मृतक युवक। सुबह आई मौत की खबर। आरोपी वीर सिंह रावत, उदयभान रावत, अंकित रावत, मरदन रावत, राहुल रावत, वि म रावत, बबलू रावत और रामेश्वर रावत पर दर्ज हुआ हत्या का प्रकरण। गोराघाट थाना क्षेत्र का मामला। मौके पर पहुंचे बड़ौनी एसडीओपी विनायक शुक्ला और गोराघाट टीआई विनीत तिवारी। हत्यारोपियों की तलाश जारी।

डबरा में दोस्त ने शराब में जहरीला पदार्थ पिलाया

युवक की हालत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती; बयानों के आधार पर जांच करेगी पुलिसडबरा के हनुमानगंज ढांडा इलाके में रविवार देर रात दोस्त ने दूसरे दोस्त को शराब के साथ जहरीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। इससे युवक की हालत बिगड़ गई। परिजन उसे डबरा के सिविल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे ग्वालियर रेफर कर दिया।

युवक दोस्त के साथ शराब पी रहा था

जानकारी के अनुसार, हनुमानगंज ढांडा क्षेत्र का रहने वाला जितेंद्र अपने दोस्त अभिजीत के साथ शराब पी रहा था। जितेंद्र ने आरोप लगाया है कि अभिजीत ने शराब के नशे में उसे जहरीला पदार्थ पिला दिया।इसके बाद जितेंद्र की हालत बिगड़ गई और उसे उल्टियां होने लगीं। परिजन उसे तुरंत सिविल अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने जहर खुरानी की आशंका जताई और प्राथमिक उपचार शुरू किया।पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर बयान लिए

घटना की सूचना डबरा पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। पुलिस ने गंभीर हालत में इलाज करा रहे जितेंद्र के बयान दर्ज किए। जितेंद्र ने अपने दोस्त अभिजीत पर जहर खिलाने का आरोप लगाया है।बयानों के आधार पर जांच करेगी पुलिस

थाना प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि एक युवक को शराब के नशे में जहर खाने की हालत में अस्पताल लाया गया था। पुलिस ने बयान दर्ज कर लिए हैं। युवक ने अपने दोस्त पर जहर खिलाने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कहानी बदलाव की : आयुष्मान कार्ड से हुआ बच्ची का इलाज, आयुष्मान भारत योजना बनी परिवार का सहारा

शिवपुरी, जीएनएस।
शिवपुरी जिले की ग्राम पंचायत हातौद की निवासी श्रीमती गीता आदिवासी एक सामान्य ग्रामीण परिवार से आती हैं। सीमित संसाधनों और आर्थिक विषमताओं के कारण किसी भी गंभीर बीमारी का इलाज कराना अत्यंत कठिन चुनौती होती है। ऐसे ही कठिन समय में आयुष्मान कार्ड से इलाज मिलने पर परिवार को बड़ा संबल मिलता है।

गीता आदिवासी बताती हैं कि आयुष्मान कार्ड होने से अब बीमारी के इलाज का बोझ नहीं रहेगा। गीता ने अपने पड़ोस का का ऐसा ही अनुभव साझा किया और बताया कि पड़ोस में रहने वाली एक मासूम बच्ची के दिल में जन्मजात छेद होने की समस्या थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार के सामने बच्ची के इलाज का बड़ा संकट खड़ा हो गया था, जिससे मासूम का जीवन खतरे में पड़ गया था।

इस गंभीर परिस्थिति में महत्वाकांक्षी ''आयुष्मान भारत योजना'' गरीब परिवार के लिए जीवनदायिनी साबित हुई। योजना के तहत 5 लाख रुपये तक के निःशुल्क एवं उच्चस्तरीय इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड की मदद से मासूम बच्ची का अस्पताल में पूरी तरह निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज कराया गया। योजना के कारण गरीब परिवार पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ा और बच्ची को नया जीवन मिला। आज वह बच्ची पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित है। गीता आदिवासी बताती हैं कि यदि शासन की यह आयुष्मान भारत योजना नहीं होती, तो आर्थिक तंगी के कारण उस मासूम की जान बचा पाना मुश्किल था। इस घटना के बाद अब गीता और जागरूक हो गई हैं। गरीब व वंचित परिवारों को आयुष्मान कार्ड बनवाने और शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने के लिए लगातार प्रेरित करती हैं। मासूम बच्ची को नया जीवन मिलने और अपने गाँव में गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच मिलने पर गीता आदिवासी ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने समय पर निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराने और गरीबों के कल्याण के लिए चलाई जा रही इस योजना हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मध्यप्रदेश सरकार का हृदय से धन्यवाद व आभार व्यक्त किया है।

दशलक्षण धर्म मानवता की पाठशाला, इंसान को भीतर से बेहतर बनाने का मार्ग : पंकज जैन

उत्तरप्रदेश, संजय सिंह।
दशलक्षण धर्म केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानवता की ऐसी पाठशाला हैं, जो एक आम इंसान को बेहतर, सकारात्मक, समझदार और शुद्ध आत्मा बनने का मार्ग दिखाते हैं। यह महत्वपूर्ण संदेश समाजसेवी पंकज जैन ने पर्यूषण पर्व के आध्यात्मिक एवं मानवीय महत्व को रेखांकित करते हुए दिया।

समाजसेवी पंकज जैन ने कहा कि पर्यूषण पर्व का सार केवल उपवास या धार्मिक क्रियाओं में नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, आत्मनिरीक्षण और अपने भीतर के विकारों पर विजय पाने में है। उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य जैसे दशलक्षण मनुष्य को क्रोध, अहंकार, लोभ और कपट से दूर कर विनम्रता, संतोष, संयम और करुणा की ओर ले जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जिंदगी में दशलक्षण धर्म मानसिक शांति, मधुर संबंधों, आत्मसंयम और सामाजिक सौहार्द का जीवन-मंत्र बन सकते हैं। इनका संदेश किसी एक वर्ग या धर्म तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाला है।

मिच्छामी दुक्कड़म् और क्षमावाणी को पर्व का महान संदेश बताते हुए पंकज जैन ने कहा कि जाने-अनजाने हुई भूलों के लिए क्षमा मांगना और दूसरों को क्षमा करना मन को निर्मल बनाता है। अहिंसा, दया और करुणा का भाव समाज में बैर और मनमुटाव मिटाकर आपसी भाईचारे को मजबूत करता है। आखिर में उन्होंने कहा, पर्यूषण हमें बाहर की दुनिया जीतने से पहले अपने भीतर झांकने और स्वयं को जीतने की प्रेरणा देता है। यही दशलक्षण धर्म का वास्तविक संदेश और मानव जीवन की सार्थकता है।

मुख्य मार्गों से हाथ ठेले, फुटपाथी दुकानें और निर्माण सामग्री हटाई

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने एवं मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से रविवार को व्यापक मदाखलत कार्रवाई की गई। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर एवं नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान के मार्गदर्शन में मदाखलत दलों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हाथ ठेले, फुटपाथी फड़, दुकानों के बाहर रखा सामान एवं अन्य अतिक्रमण हटवाया।

पूर्व विधानसभा क्षेत्र में मदाखलत अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह चौहान द्वारा इंद्रमणी नगर चौराहा स्थित एमआईटीएस कॉलेज गेट के पास से गुमठियां जप्त कर संबंधित हाथ ठेला संचालकों को डीबी सिटी स्थित मदाखलत कार्यालय में जमा कराया गया। इसके बाद भिंड रोड, गोले का मंदिर चौराहे से एयरपोर्ट चौराहे तक सड़क के दोनों ओर दुकानों के बाहर रखा सामान अंदर करवाया गया तथा हाथ ठेले हटवाकर मार्ग को सुचारू कराया गया। इसी क्रम में सागरताल चौराहा, सूरज नगर, रजवन वाली माता के सामने, पहुआ वाली माता रोड एवं वार्ड क्रमांक 5 में सड़क पर डली गिट्टी और बिल्डिंग मटेरियल हटवाया गया। महाराज बाड़ा क्षेत्र के सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट, टोपी बाजार, हेमू चौक, छापाखाना, स्काउट एवं गांधी मार्केट सहित प्रमुख मार्गों से हाथ ठेले और फुटपाथी फड़ हटवाकर मार्ग क्लियर कराया गया। वहीं न्यू कलेक्ट्रेट के पीछे गोलंबर से एमके सिटी, सिरोल चौराहा, सिरोल रोड से हुरावली गोलंबर तक खंभों पर लगे झंडी-बैनर हटाए गए। छापाखाना, माधोगंज चौराहा, कबूतर की हाट से माधोगंज थाना क्षेत्र तक दुकानों के बाहर रखे सामान, स्टैंड बोर्ड एवं हाथ ठेले हटाकर कुछ सामान जप्त कर डीबी सिटी कार्यालय भेजा गया। कार्रवाई में मदाखलत निरीक्षकों सहित निगम के विभिन्न दल एवं यातायात पुलिस बल मौजूद रहा।

32 विद्यार्थी हुए चयनित-28 सितम्बर से महाविद्यालय में होगा प्रारम्भ

महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द कैरियर मार्गदर्शन योजना के तत्वाधान में आईआईटी दिल्ली द्वारा 3 महीने (90 घंटे) का एआई/फिनटेक कोर्स 28 सितम्बर 2026 से संचालित होगा। जिसमें प्रवेश हेतु आईआईटी दिल्ली द्वारा दिनाक 08 सितम्बर 2026 को आयोजित की गई थी। जिसके लिए 141 विद्यार्थियों ने पजीयन कराया था एवं 127 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए। जिसका परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। एआई एवं फिनटेक कोर्स में 32 विद्यार्थियों का चयन किया गया है. जिसमें मेरिट में आए शीर्ष 16. विद्यार्थी एआई एवं 16 विद्यार्थी फिनटेक कोर्स के लिए चयनित हुए है।

वार्ड 66 के बड़ौरी हाईस्कूल में आयोजित सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन में सेव्स समर्पण तथा सुशासन के 25 वर्षो आयोजित चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों को संबोधित करते हुए ग्वालियर ग्रामीण के जन सेवक भाजपा नेता गिर्राज सिंह गुर्जर।

विशेष सफाई अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया

ग्वालियर, जीएनएस।
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित %मेरा युवा भारत केंद्र ग्वालियर से संबंध सफल युवा मंडल द्वारा आज ग्राम पंचायत भयपुरा में %सेवा पखवाड़ा% के तहत एक विशेष सफाई अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत भयपूरा पंचायत भवन एवं उसके परिसर में गहन साफ-सफाई की गई। यह सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से प्रारंभ होकर आगामी 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) तक निरंतर संचालित रहेगा, जिसके तहत स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस गरिमामयी कार्यक्रम का कुशल संचालन सफल युवा मंडल के अध्यक्ष अरविंद कुशवाह द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित युवाओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई और श्रमदान के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित ग्राम पंचायत भयपुरा के सरपंच राजू कुशवाह ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं है।

नाट्य मंचन से जन-जन तक पहुंचेगी मोदी की 25 साल की सेवा यात्रा

'नमो सेवा-अनकही कहानियां' कार्यक्रम के जरिए सेवा, सुशासन और जनकल्याण के प्रसंगों को किया जाएगा प्रस्तुत

फिरोजाबाद, जीएनएस।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और सुशासन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा की ओर से 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। इसके तहत 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भाजपा महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर ने प्रेसवार्ता कर कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा, जनकल्याणकारी योजनाओं और

राष्ट्र निर्माण के प्रयासों को नाट्य प्रस्तुतियों, संवाद, अभिनय और संगीत के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। अभियान के तहत नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कर सेवा और जनकल्याण से जुड़ी कहानियां प्रस्तुत की जाएंगी। डॉ. दिवाकर ने बताया कि प्रस्तुतियों के माध्यम से सेवा, सुशासन, अंत्योदय और राष्ट्र निर्माण का संदेश समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाया जाएगा। विद्यालयों, कॉलेजों, पंचायतों, सामुदायिक केंद्रों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों से संवाद स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को प्रभावी बनाने और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उत्तर प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न सेवा और जनसंपर्क गतिविधियों के साथ आयोजित किया जा रहा है।

प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता, महामंत्री प्रमोद बघेल, देवेश भारद्वाज, कोषाध्यक्ष दीपक गुप्ता कालू, उपाध्यक्ष रामनरेश कटारा, योगेंद्र यादव बाबा, अंकित तिवारी, अनुपम शर्मा, दुर्गेश यादव आदि।

600 के लिए दिव्यांग, वृद्ध, विधवा एवं परित्यागता निराश्रितों को तरसा रही सरकार ओर पूर्व मंत्रियों , विधायकों को समय पर दे रही तीन तीन पेंशन एवं अन्य सुविधाएं

ग्वालियर, जीएनएस।
मप्र में एक ओर दिव्यांग, वृद्ध, विधवा एवं परित्यागता निराश्रित ऐसी भस्मासुर की तरह मूंह फाड़े महंगाई के चलते मात्र 600 रुपये अपनी सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि करने के लिए दिव्यांग जन विगत कई बरसों से कितने ही धरने आन्दोलन कर ते चले आ रहे हें । बदले में सरकार क्या दे रही हे लाठी डंडे एवं गिरफ्तारी बहीं दूसरी ओर राजनेताओं में जेसे पूर्व विधायकों , पूर्व मुख्यमंत्रीओ , पूर्व सांसदों, पूर्व स्पीकरों को तीन - तीन पेंशन के अलावा अन्य सुविधाएं भी समय पर दी जा रही हे इससे भी गंभीर बात क्या हो सकती हे कि वोट बेंक की खातिर लाडली बहिनों को हर माह सही समय पर 1500 रुपये ये सरकार दे रही हे इतना ही नहीं इससे भी बड़ी विडंबना ओर क्या हो सकती हे कि हर माह इन निराश्रितों को मात्र 600 रुपये भी सही समय पर न देते हुए माह के अंतिम सप्ताह तक

तरसा कर दे रही हे । यही हे इस सरकार का खोखला सबका साथ सबका विकास । ओर मजबूर असहाय दिव्यांग, वृद्ध, विधवा एवं परित्यागता निराश्रितों के साथ कर रही सोतेला व्यवहार ।

म = प्र = कांग्रेस कमेटी ई के प्रदेश महासचिव एवं वरिष्ठ समाजसेवी ओर राष्टीय शसक्त आत्मनिर्भर ट्रस्ट नई दिल्ली के राष्टीय सलाहकार एवं आर टी आई ऐक्टिविस्ट अनूप जौहरी ने कहा कि इंदौर उच्चतम न्यायालय के उक्त आदेश की भी परवाह नहीं इस सरकार को जिसमें इंदौर हाईकोर्ट की डबल बेंच , म = प्र = सरकार को आदेश दे चुकी हे कि लाडली बहिनों को सरकार 1500- रुपये हर माह दे रही हे उससे पच्चीस प्रतिशत बढ़ाकर दिव्यांग जनों को 1762 रुपये दिय जाने के आदेश के अलावा यह भी आदेश दिया था कि जब - जब सरकार लाडली बहिनों को सहायता राशी में वृद्धि करेगी तब तब दिव्यांग जनों की पेंशन में 25 / प्रतिशत बढ़ाकर देना होगा ।

मथुरा में प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्य अहलावत व प्रदेश उपाध्यक्ष अतुल कुमार सिंह की उपस्थिति में हुई समीक्षा बैठक

मथुरा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) युवा की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक रविवार को लक्ष्मीनगर मथुरा में आयोजित की गई यह बैठक युवा प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्य अहलावत प्रदेश उपाध्यक्ष अतुल कुमार सिंह एवं जिलाध्यक्ष एडवोकेट सुधीर कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई बैठक के दौरान पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने सदस्यता अभियान और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से मंथन किया गया बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्य अहलावत ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना पार्टी की प्राथमिक प्राथमिकता है उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर जनता के बीच जाएं और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ साथ संगठन की विचारधारा को घर घर तक पहुंचाएं ?वहीं प्रदेश उपाध्यक्ष अतुल कुमार सिंह ने कार्यकर्ताओं के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि मथुरा जिला पूरे प्रदेश के लिए एक मॉडल के रूप में उभरेगा यहां के कार्यकर्ताओं की ऊर्जा संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक सिद्ध होगी?संगठनात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए जिलाध्यक्ष एडवोकेट सुधीर कुमार ने बताया कि जिले की सभी विधानसभाओं में बैठकों का दौर पूरा कर लिया गया है और बूथ इकाइयों के गठन का कार्य तीव्र गति से चल रहा है इस बैठक में जिले के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाराजा अरुणादित्य देव चैतन्य आश्रम पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में हुए शामिल

दतिया, जीएनएस।
शहर के प्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थल चैतन्य आश्रम पर रविवार को श्री श्री 1008 श्री चैतन्य दास जी महाराज के परिनिर्वाण दिवस पर हवन, पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में दतिया महाराजा अरुणादित्य देव शामिल हुए। उन्होंने श्री चैतन्य आश्रम पर बिराजित देवी देवताओं के दर्शन कर पूजा अर्चना की एवं श्री श्री 1008 श्री चैतन्य दास जी महाराज की प्रतिमा को नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने आश्रम पर चल रहे धार्मिक कार्यक्रम की

व्यवस्थाओं को देखा तथा आयोजन समिति के लोगों से सौजन्य भेंट मुलाकात की। श्री चैतन्य आश्रम के ट्रस्टी श्री राधेश्याम अग्रवाल से मुलाकात कर श्री जूदेव ने आश्रम पर होने वाले वार्षिक आयोजन से अवगत हुए।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार रवि ठाकुर, एडवोकेट शंभू गोस्वामी, शैलेंद्र सिंह बुन्देला, राजू विदुआ, रामू राजा बुन्देला, रामू शर्मा आदि साथ रहे।

पंचमुखी हनुमान जी दर्शन कर पूजा अर्चना की- श्री जूदेव ने कुईयापुरा स्थित प्राचीन पंचमुखी हनुमान मंदिर पर पहुंच कर हनुमान जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की एवं मंदिर प्रांगण में बिराजित अन्य देवी देवताओं के दर्शन किए। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी जी ने श्री जूदेव को तिलक कर प्रसाद भेंटकर आशीर्वाद प्रदान किया।

रामबाबू बघेल बने अध्यक्ष और विश्वनाथ सिंह राठौर बने संयोजक बजरंगदल

लहार। विश्व हिन्दू परिषद की जिला टोली बैठक लहार में संरक्षक श्री श्रीरामजी उपाध्याय जी के निबास पर सम्पन्न हुई जिसमें आगामी स्थापना दिवस समारोह की तैरारी को लेकर बृहद चर्चा हुई एवम आयोजन को सफल बनाने के लिये सभी कार्यकर्ताओं को ब्यबस्था दी गई । संगठन को मजबूती प्रदान करने के निमित जिलाध्यक्ष पं उमाकांत ब्यास एवम जिला संरक्षक श्रीराम उपाध्याय की सहमति से

जिला मंत्री सुरेन्द्र शुक्ला ने लहार के बरिष्ठ समाज सेवी पूर्व पार्षद श्री मान रामबाबू जी बघेल को विश्व हिन्दू परिषद प्रखंड अध्यक्ष एवम लहार की युवा तरुणाई के नायक विश्वनाथ सिंह ह राठौर को बजरंगदल प्रखंड संयोजक लहार के दायित्व की घोषणा कि गई दोनों कार्यकर्ताओ के नियोजन पर बधाई शुभकामनाए देने बालों में सुरेन्द्र शुक्ला भोले जिलामंत्री राजीव पाराशर जिला सह मंत्री धर्मेन्द्र सिंह राजावत जिला सह मंत्री दीपक जी शर्मा पतांजलि हरिओम मिश्रा जिला सत्संग प्रमुख नीतेश भारद्वाज पप्पू नेता जिला विशेष सम्पर्क प्रमुख सुमित बिरथरे प्रखंड मंत्री आदि लोगों ने फूल माला पहना कर शुभकामनाएं दी।

जहां डलता था कचरा वहां बनाई रंगोली

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर शहर को कचरा ब्लैक स्पॉट मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत लंबे समय से कचरा जमा होने वाले स्थानों की सफाई कर उन्हें ब्लैक स्पॉट से मुक्त किया जा रहा है। रविवार को निगम की टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कई ब्लैक स्पॉट समाप्त किए। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान के तहत विनय नगर, अक्षय भवन, सेंट्रल जेल के पास सहित कई स्थलों पर सफाई कर वर्षों से जमा कचरे को हटाया गया। इन स्थानों की सफाई के साथ आसपास के क्षेत्र को भी व्यवस्थित किया गया।

सरस्वती विद्यापीठ में 37वीं क्षेत्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का भव्य समापन

खेल से अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना का विकास होता है: राम कुमार व्यास

शिवपुरी, जीएनएस।
विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में 37वीं क्षेत्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता, मध्य क्षेत्र का दो दिवसीय आयोजन सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय, शिवपुरी में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में मध्य क्षेत्र से आए खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया।

समापन समारोह में शिवपुरी विभाग समन्वयक श्री राम कुमार व्यास बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे, जबकि स्वदेश समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ श्री उमेश भारद्वाज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री पवन शर्मा प्रबंधक सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय शिवपुरी एवं श्री जितेन्द्र परसाई सह प्रबंधक सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना से किया गया। कार्यक्रम की भूमिका

सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय के प्रबंधक श्री पवन शर्मा ने प्रस्तुत की।

मुख्य अतिथि श्री राम कुमार व्यास ने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता और जीत-हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, धैर्य और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी को खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्याभारती शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देती है और खेलकूद इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री उमेश भारद्वाज ने कहा कि मैदान पर किया गया परिश्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समारोह में अतिथियों का स्वागत श्री पुरुषोत्तम शर्मा एवं श्री नंदकिशोर शर्मा द्वारा श्रीफल एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। अतिथि परिचय एवं आभार प्रदर्शन विद्यालय के प्राचार्य श्री लोकेंद्र सिंह मेवाड़ा ने किया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन विद्यालय के आचार्य श्री उदयवीर गौर ने किया।

इस प्रतियोगिता में मध्य भारत प्रांत की तीनों ही टीमें अंडर 14,17 एवं 19 ने विजय श्री प्राप्त की एवं ये तीनों ही टीमें अखिल भारतीय स्तर पर मध्य क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगीं। समापन समारोह में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, आचार्यों एवं विद्यालय परिवार की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में विजेता एवं उपविजेता टीमों तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने सभी खिलाड़ियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय, शिवपुरी में आयोजित यह क्षेत्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता विद्यार्थियों में खेल प्रतिभा के साथ-साथ अनुशासन, सहयोग और राष्ट्रभावना के संस्कार विकसित करने का प्रभावी माध्यम बनी।

जन शिकायतों के त्वरित समाधान और सफाई व्यवस्था पर निगमायुक्त सख्त, लापरवाही बरतने पर अधिकारियों को कड़ी चेतावनी

ग्वालियर, जीएनएस।
जन सुविधा से संबंधित आने वाली शिकायतों का सभी अधिकारी गंभीरता से निराकरण करें, सूचना कहीं से भी मिले समस्या का निराकरण तत्काल करें। इसके साथ ही सभी संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जहां से कचरा ठिया हटाया जा रहा है वहां से द्वारा कचरा न डले। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने समीक्षा बैठक के दौरान सभी अधिकारियों को दिए।

निगम मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव, श्री प्रदीप तोमर, अपर आयुक्त वित्त श्री अरविंद शर्मा सहित उपायुक्त, अधीक्षण यंत्री, सहायक यंत्री एवं अन्य सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में निगमायुक्त ने निगम अमले द्वारा साफ किए जा रहे ब्लैक स्पॉट को लेकर जानकारी ली तथा और तेज गति से कार्य करने के निर्देष दिए। साथ ही यह भी निर्देष दिए कि इन सभी स्थानों पर पुनः कचरा न डले। इसके साथ ही पीएचई सीवर की समस्या करते हुए सीवर संधारण के लिए कार्य कर रही लेबर को लेकर वार्ड वार जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों से सीवर संधारण की मशीनरी को लेकर भी जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पीएचई अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लाइन डालने के लिए रोड खोदी जाए तो अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि रोड रेस्टोरेषन के लिए जीएसव्ही का उपयोग करें। पुराना मटेरियल न भरें। इसके साथ ही उन्होंने यह भी निर्देष दिए कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शहर में अवैध पशु डेयरी संचालन को लेकर प्रतिदिन मॉनिटरिंग करें कि कहीं भी गोबर नाली में न जाए तथा अवैध रूप से पशु डेयरी चलाने वाले संचालकों पर जुर्माने की कार्यवाही करें। इसके साथ ही संपत्ति कर वसूली की समीक्षा करते हुए गत सप्ताह में लक्ष्य के अनुरूप वसूली न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अगले सप्ताह में हर हाल में पांच करोड रूपये की वसूली करने के निर्देष दिए। इसके साथ ही जलकर वसूली को लेकर भी नाराजगी व्यक्त की तथा बडे बकायेदारों से वसूली करने के निर्देष दिए। जिसमें हर सप्ताह एक करोड रूपये करंट वसूली से एवं एक करोड रूपये बकाया वसूली से राशि जमा कराने के निर्देष दिए।

बच्चों ने शहरवासियों में जगाई स्वच्छता की अलख

एमएलबी कॉलेज, अचलेश्वर, थीम रोड को किया साफ

ग्वालियर, जीएनएस।
स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत एक माह तक स्वच्छता से जुडी विभिन्न गतिविधियां की जानी है। सोमवार को एनसीसी कैडेट्स, स्काउट, एमएलबी कॉलेज के छात्रों सहित आमजनों की सहभागिता से नगर निगम ने स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान के तहत उन्होंने अचलेश्वर महादेव मंदिर, एमएलबी कॉलेज परिसर, एमएलबी ग्राउण्ड, और थीम रोड पर पडा कचरा साफ किया, साथ ही रैली निकालकर आमजनों को स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर उपायुक्त श्री

मुकेष बंसल, सहायक खेल अधिकारी सुश्री विजेता चौहान, एनसीसी कैडेट, स्काउट, कॉलेज के छात्र सहित आईईसी की टीम उपस्थित रही।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देषन में शहर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण संरक्षण को बढावा देने के लिए नगर निगम द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरुआत की गई है। एक माह तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत सोमवार को शहर के स्कूली बच्चों, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट्स और एमएलबी कॉलेज के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। युवाओं के इस उत्साह को देखकर आम नागरिकों ने भी सफाई अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई और श्रमदान किया।

विभिन्न स्थलों पर चला सफाई का महाअभियान

सोमवार सुबह से ही शहर के विभिन्न प्रमुख और व्यस्त इलाकों में युवाओं की टोलियां गार्बेज बैग हाथ में लेकर निकली और सडक, झाड़ियों, फुटपाथ, मंदिर परिसर के आसपास पडे कचरे को साफ किया।

कचरे को पहुंचाया केदारपुर

धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अचलेश्वर महादेव मंदिर के आसपास जमा कचरे, प्लास्टिक की बोतलों और पॉलिथीन को कैडेट्स एवं विद्यार्थियों ने एकत्रित किया। इसके साथ ही एमएलबी कॉलेज के विशाल परिसर और खेल मैदान की गहन सफाई की गई। कॉलेज परिसर में बिखरे सूखे पत्तों, थर्माकोल और प्लास्टिक अपशिष्ट को हटाकर पूरे प्रांगण को स्वच्छ बनाया गया। वहीं स्मार्ट सिटी द्वारा संवारी गई थीम रोड से सड़क किनारे पड़े कचरे को हटाकर उसे

दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर शोक संवेदना

भांडेर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत चरबरा में आदरणीय श्री कैलाश पांचाल जी के पुत्र श्री कौशल पांचाल जी की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर शोक संवेदना ग्राम कुम्हरों में आदरणीय श्री कोमल पाल, संतोष पाल जी की माता जी की शोक संवेदना ग्राम भोय में आदरणीय श्री अनन्त सिंह, वीर सिंह ,कैलाश सिंह, दयानंद सिंह पाल के पिता आदरणीय श्री भज्जू पाल जी की शोक संवेदना ग्राम कल्याणपुरा में आदरणीय श्री विजय राम पाल जी की माता जी की शोक संवेदना ग्राम खिरिया खोदस में आदरणीय श्री भैया लाल पाल जी की धर्मपत्नी जी की शोक संवेदना।

11वाँ आयुर्वेद दिवस: जिले की समस्त आयुष संस्थाओं में आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

शिवपुरी, जीएनएस। संचालनालय आयुष, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशन में जिले की समस्त आयुष संस्थाओं में 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस ''स्वस्थ भविष्य के लिये आयुर्वेद'' की मुख्य थीम पर आधारित है। कार्यक्रम की श्रृंखला में मुख्य जिला स्तरीय आयोजन 23 सितम्बर 2026 को आयोजित किया जाएगा।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. अनिल वर्मा ने बताया कि अभियान के तहत जिले में आयुर्वेद स्वास्थ्य एवं जन-जागरूकता, औषधीय पौधों की पहचान, उपयोग एवं उनके संरक्षण पर विशेष गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इसके साथ ही आमजन को दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं योग संबंधी

जानकारी देने के साथ-साथ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर, प्रकृति परीक्षण, जीवनशैली मूल्यांकन तथा योग एवं ध्यान सत्रों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा एवं जोड़ रोगों की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य परामर्श दिए जा रहे हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों पर आयुष स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें स्वस्थ वृद्धावस्था एवं पोषण विषय पर व्याख्यान दिए जा रहे हैं। साथ ही पर्यावरण व स्वास्थ्य संवर्धन हेतु औषधीय पौधों का रोपण कर आयुर्वेद वाटिका का विकास भी किया जा रहा है।

विद्यार्थियों के लिए आयोजित हो रही प्रतियोगिताएं

छात्र-छात्राओं में आयुर्वेद के प्रति रुचि जागृत करने के उद्देश्य से विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर व्याख्यान, क्विज, निबंध तथा पोस्टर व पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला आयुष प्रशासन द्वारा जिले के नागरिकों से इन कार्यक्रमों और शिविरों में सहभागिता कर आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की गई है।

कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को दिए निर्देश

तहसील पोहरी की ग्राम पंचायत छर्च में 22 को आयोजित होगी जनसुनवाई

शिवपुरी, जीएनएस। जिले की तहसील पोहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत छर्च में मंगलवार, 22 सितम्बर 2026 को प्रातः 11 बजे से जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने समस्त कार्यालय प्रमुखों को जनसुनवाई में उपस्थित रहकर आमजनों से प्राप्त आवेदन पत्रों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार 22 सितम्बर को आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों का मौके पर ही त्वरित समाधान करना है। कलेक्टर श्री वर्मा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर जनसुनवाई की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपादित करें। इसके साथ ही जिला कार्यालय में आयोजित होने वाली नियमित जनसुनवाई कार्यक्रम के लिए अपर कलेक्टर को विकासखंड स्तरीय अधिकारियों के साथ जनसुनवाई का कार्य सुचारू रूप से संपादित कराने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का प्रयास है कि दूर-दराज से आने वाले आम नागरिकों की समस्याओं का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण समाधान हो सके।

एलिवेटेड रोड नहीं, एलिवेटेड हाईवे है: श्री सिंधिया

ग्वालियर, जीएनएस। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज ग्वालियर में निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड फेज-2 का निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। अप्रैल में एलिवेटेड रोड फेज-1 की समीक्षा के बाद अब फेज-2 का निरीक्षण करते हुए सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर के विकास और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस महत्वपूर्ण परियोजना को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा करना उनकी प्राथमिकता है।

इस दौरान प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, विधायक श्री मोहन सिंह राठौर, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, सीईओ स्मार्ट सिटी श्री प्रतीक राव सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी

उपस्थित थे। श्री सिंधिया ने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा (फूलबाग) से ए.बी. रोड (हा-46) पर गिरवाई पुलिस चौकी तक स्वर्ण रेखा नदी पर 4-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर फ्लाइओवर का निर्माण किया जा रहा है। लगभग 7.5 किलोमीटर के एलिवेटेड रोड और 6 एंट्री-एग्जिट लूप को मिलाकर यह लगभग 13 किलोमीटर की समग्र योजना है। श्री सिंधिया ने कहा कि ?926 करोड़ (फेज 2) की इस योजना के माध्यम से ग्वालियर को एक ऐसी आधुनिक सड़क अवसंरचना मिल रही है, जो शहर की भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि यह केवल एलिवेटेड रोड नहीं, बल्कि एक एलिवेटेड हाईवे है। उन्होंने इसकी चौड़ाई और व्यापक स्वरूप की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के किसी शहर में इस प्रकार की लगभग 13 किलोमीटर लंबी परियोजना अपने आप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। श्री सिंधिया ने बताया कि ग्वालियर की जनता के आग्रह पर इस परियोजना के लिए डीपीआर तैयार 2020 में कराई गई और उनके आग्रह पर योजना को स्वीकृति मिली। उन्होंने इस परियोजना को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर के विकास और गौरव के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसे बड़े प्रोजेक्ट ग्वालियर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और शहर के सपनों को नई उड़ान देने का कार्य कर रहे हैं।

ग्वालियर को मिली है बड़ी सौगात : केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जिस परियोजना को कभी असंभव माना जा सकता था, वह अब साकार होने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का निर्धारित पूर्णता लक्ष्य नवंबर 2027 है। उन्होंने यह भी बताया कि मानसून के कारण लगभग 4- 6 महीने निर्माण कार्य प्रभावित होता है, लेकिन इसके बावजूद परियोजना में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

गहोई वैश्य समाज ग्वालियर का शांतिपूर्ण मतदान संपन्न

अध्यक्ष पद पर प्रदीप पहारिया , महामंत्री पद पर सुधीर रावत विजयी हुए

ग्वालियर, जीएनएस। श्री गहोई वैश्य समाज बृहत्तर (रजि.) ग्वालियर के सत्र 2026-2029 के निर्वाचन जैन छात्रावास में सामाजिक बंधुजन एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से शान्ति पूर्ण ढंग से संपन्न हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजीव बेहरे ने बताया कि 4,154 मत में से 2352 मत प्राप्त हुए। अध्यक्ष पद पर प्रदीप पहारिया को 710 मतों से,

महामंत्री पद पर सुधीर रावत को 392 मतों से,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राजीव कुचिया को 213 मतों से,

उपाध्यक्ष पद पर अनिल नीखरा को 51 मतों से,

कोषाध्यक्ष पद पर अखिलेश कस्तवार 395 मतों से

संयुक्त मंत्री पद पर मनीष लहरिया को 179 मतों से

उपमंत्री नवीन निगोतिया को 65 मतों से, संगठन मंत्री शिवम बिजपुरिया 322 मतों से, प्रचार मंत्री-अखिल चुपरा सोनू मतों से 790 मतों से

कार्यकारिणी सदस्य

माधवगंज पंचायत हरिओम पिपरसानिया, प्रवीण रेजा एवं

खासगी बाजार पंचायत धर्मेन्द्र छिरौल्या और संतोष कठिल विजयी हुए।

चुनाव संपन्न कराने में सलाहकार सदस्य रामशरण कुचिया, एसके गुप्ता कंथारिया, सहायक निर्वाचन अधिकारी सौरभ अमर, भरत निवास कुरेले, पवन नीखरा, राकेश खरया,सियाराम निगोती, परमेश्वर दास नीखरा और मीडिया प्रभारी वरुण कस्तवार के सहयोग से संपन्न कराई जा रही है।

कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला शिवपुरी (म.प्र.)

E-mail modgmshi@mp.gov.in

पत्र क्रमांक 1864/3-6/खनि/क्यू.एल. 599/2026 शिवपुरी, दिनांक 18.09.2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18(1-क)(दो) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संजीव सिंह यादव पुत्र वीर सिंह यादव निवासी ग्राम दौलतपुर तहसील कोलारस जिला शिवपुरी म.प्र. द्वारा जिला शिवपुरी की तहसील कोलारस के ग्राम गढ़ की शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 110/1 रकबा 4.00 हैक्टेयर क्षेत्र पर मुरूम खनिज का उत्खनिपट्टा हेतु आवेदन पत्र दिनांक 13.09.2026 प्रस्तुत किया गया। उपरोक्त (शासकीय भूमि) के निम्नानुसार क्षेत्र पर उत्खनिपट्टा प्राप्त करने एवं दावा/आपत्ति हेतु दिनांक 18/10/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन प्रस्तुत पत्र ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किए जाएंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम/कस्बा	सर्वे क्रमांक	कुल रकबा हे. में	आवेदित रकबा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
शिवपुरी	कोलारस	गढ़	110/1	10.00	4.00	शासकीय	मुरूम	

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के सम्बन्ध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जायेगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक को पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

खनि अधिकारी
जिला शिवपुरी (म.प्र.)

G-18902/26

दतिया में कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक संपन्न

दतिया, जीएनएस। कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

?बैठक के मुख्य बिंदु एवं निर्देश-

?लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण- कलेक्टर ने 50 दिवस से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए प्राथमिकता के आधार पर उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन पुराने मामलों

की पुनः समीक्षा कल की जाएगी।

?राजस्व मामलों में तेजी- राजस्व न्यायालयों की कार्रवाई की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा, नाम सुधार, नक्शा सुधार और रकबा सुधार के लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए गए। ?योजनाओं की समीक्षा- बैठक के दौरान फार्मर रजिस्ट्री, एमपीबी के ग्राम पंचायतवार लंबित बिल भुगतान, वृद्धावस्था, दिव्यांग एवं विधवा पेंशन (छह) मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना और संबल पंजीयन के लंबित आवेदनों को 7 दिन से अधिक लंबित न रखने के कड़े निर्देश दिए गए। ?मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान- आगामी मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत पंडोखर में आयोजित होने वाले शिविर की तैयारियों की भी व्यापक समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को शिविर में उपस्थित रहने और क्षेत्र भ्रमण कर जनसमस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

कुशवाह समाज के छात्रावास सह सामुदायिक भवन का भूमिपूजन, 1.06 करोड़ की लागत से होगा निर्माण

जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा का सहारा बने ऐसा सामुदायिक भवन बनाएं : सिंधिया

ग्वालियर जीएनएस

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कुशवाह समाज आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित ऐसा छात्रावास सह सामुदायिक भवन तैयार करे, जहां जरूरतमंद छात्र-छात्राएं स्वस्थ वातावरण में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। ग्वालियर में बनने वाला यह परिसर अन्य क्षेत्रों के लिए भी उदाहरण बने। सिंधिया सोमवार को नीम चंदोहा में कुशवाह समाज के छात्रावास सह सामुदायिक भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह के आग्रह पर मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना के तहत भवन निर्माण के लिए करीब 1.06 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। भवन का निर्माण बेला की बावड़ी के समीप मुख्य मार्ग पर नीम चंदोहा में किया जाएगा।

सिंधिया ने भवन निर्माण के लिए अपनी निधि से 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। विधायक भितरवार मोहन सिंह राठौर ने 5 लाख और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि अनूप कुशवाह ने 1 लाख 51 हजार रुपए देने की घोषणा की। कार्यक्रम में जिले के

प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह भी मौजूद रहे।

सिंधिया ने कहा कि देश के निर्माण में कुशवाह समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1848 में पुणे में बालिकाओं के लिए विद्यालय खोलकर उन्होंने शिक्षा की अलख जगाई थी। उन्होंने विश्वास जताया कि ग्वालियर में बनने वाला यह छात्रावास सह सामुदायिक भवन पूरे अंचल में शिक्षा का प्रकाश फैलाने में सहायक होगा। सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि भवन के लिए जमीन भी प्रदेश सरकार ने उपलब्ध कराई थी। उन्होंने कहा कि दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे यहां बेहतर वातावरण में रहकर पढ़ाई कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि परिसर को महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा। यहां सिलाई, कढ़ाई, बुनाई सहित रोजगारपरक विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। किसानों को उन्नत खेती की जानकारी देने के लिए सेमिनार भी आयोजित किए जा सकेंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सिंधिया, नारायण सिंह कुशवाह, तुलसीराम सिलावट सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विधायक मोहन सिंह राठौर, कुशवाह समाज विवाह समारोह समिति के जिला अध्यक्ष रोशन सिंह कुशवाह, साडा अध्यक्ष अशोक शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

रास्ता रोककर हाथ पकड़ा, विरोध करने पर छात्रा के सिर में मारा थप्पड़; धमकी भी दी

कोचिंग से लौट रही छात्रा से छेड़खानी, आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर जीएनएस

भितरवार थाना पुलिस ने 16 वर्षीय छात्रा से छेड़खानी और धमकी देने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 20 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान युवराज रावत पुत्र गजेंद्र सिंह रावत, निवासी ग्राम लोधी, थाना बेलगढ़ा के रूप में हुई है। घटना के संबंध में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार 21 सितंबर को छात्रा अपनी मां के साथ थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। छात्रा ने बताया कि वह भितरवार में कोचिंग करती है और अपनी बुआ की बेटी के साथ किराये के मकान में रहती है। 19 सितंबर की सुबह करीब 10 बजे वह अपनी बुआ की बेटी के साथ कोचिंग से कमरे पर लौट रही थी। इसी दौरान एसआईटीएम स्कूल के सामने युवराज रावत अपने साथी योगेश रावत के साथ मोटरसाइकिल से पहुंचा और रास्ता रोककर छात्रा का हाथ पकड़ लिया।

छात्रा की बहन ने आरोपी को रोकने का प्रयास किया, जबकि उसके साथी योगेश ने भी छात्रा को बचाने की कोशिश की। इस पर युवराज ने छात्रा के सिर में थप्पड़ मारा और घटना की शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद वह मोटरसाइकिल से मौके से भाग गया। घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में भी घटना रिकॉर्ड हुई है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी भितरवार-करैरा चौराहे के पास भागने की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आरोपी युवराज रावत को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस आरोपी से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित अन्य बिंदुओं पर पूछताछ कर रही है। कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर के मार्गदर्शन में एसडीओपी भितरवार गगन हनवत और थाना प्रभारी बलबीर सिंह मावई की टीम ने की।

पुलिस ने सात चोरी की बैटरियां और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल की जब्त

बस-डंपरों से बैटरी चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर जीएनएस।

डबरा सिटी थाना पुलिस ने बैटरी चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की सात बैटरियां और वारदात में प्रयुक्त प्लेटिना मोटरसाइकिल जब्त की है। आरोपी सुनसान स्थानों पर खड़ी बसों और डंपरों को निशाना बनाकर उनकी बैटरियां चोरी करता था और बाद में उन्हें सस्ते दामों पर बेचने की कोशिश करता था। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में बसों और सुनसान स्थानों पर खड़े डंपरों से लगातार बैटरी चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर ने चोरी की घटनाओं की पतासी और आरोपियों की गिरफ्तारी

के लिए मुखबिर तंत्र सक्रिय करने के निर्देश दिए थे। एसडीओपी डबरा सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संजय शर्मा ने पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। तलाश के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि डबरा सिटी के अपराध क्रमांक 544/26 और 545/26 में बैटरी चोरी का आरोपी मगरौरा तिराहे के पास खड़ा है और लोगों को सस्ते दामों पर बैटरियां बेचने की बात कर रहा है।

मुरार में सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता का संदेश

युवा मोर्चा ने 200 दुकानदारों को बांटे कूड़ेदान

ग्वालियर जीएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा महानगर ग्वालियर द्वारा मुरार के सदर बाजार स्थित अग्रसेन चौराहे पर सेवा संकल्प अभियान के तहत 200 दुकानदारों को कूड़ेदान वितरित किए गए। इस दौरान दुकानदारों को प्रतिष्ठानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और कचरा कूड़ेदान में डालने का संकल्प दिलाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा महानगर महामंत्री एवं सेवा पखवाड़ा अभियान प्रभारी धर्मेंद्र सिंह तोमर बिट्टू रहे, जबकि अध्यक्षता युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष शिवम रानू राजावत ने की। विशेष अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

अशोक जैन, भगत सिंह मंडल अध्यक्ष मुकेश दुबे, वरिष्ठ भाजपा नेता अविनाश यादव, युवा मोर्चा महानगर महामंत्री गौरव मिश्रा तथा वार्ड 25 की पार्षद प्रीति संजय सिंह परमार एवं वार्ड 26 की पार्षद ममता अरविंद शर्मा मौजूद रहीं।

भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दुकानदारों को कूड़ेदान वितरित करने के साथ उनके प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम में धर्मेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत पूरे महानगर में विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। युवा मोर्चा द्वारा दुकानदारों को कूड़ेदान वितरित करने का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

शिवम रानू राजावत ने कहा कि युवा मोर्चा सेवा गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करेगा। उन्होंने युवाओं से अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क कर लोगों को स्वच्छता सहित विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों से जोड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम संयोजक एवं युवा मोर्चा के पूर्व आईटी सह प्रभारी अखंड अग्रवाल ने अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। संचालन समाजसेवी एवं भाजपा नेता गौरव जैन ने किया। कार्यक्रम में मंडल पदाधिकारियों, पार्षदों, युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं और स्थानीय व्यापारियों सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

निर्माणाधीन सड़क की कोर कटिंग कर जांची गुणवत्ता

ग्वालियर जीएनएस।

वार्ड क्रमांक 29 में निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता जांचने के लिए नगर निगम की टीम ने कोर कटिंग कर जांच की। जांच में सड़क की मोटाई ठीक पाई गई। यह कार्रवाई नगर निगम अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के निर्देश पर की गई। अपर आयुक्त ने 18 सितंबर को वार्ड क्रमांक 29 का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता की जांच कराने के निर्देश क्षेत्राधिकारी तनुजा वर्मा को दिए थे। इसके बाद नगर निगम के इंजीनियरों की टीम ने सड़क की कोर कटिंग कर उसकी मोटाई की जांच की। जांच में सड़क की थिकनेस निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गई।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।